डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

प्रयागराज से प्रकाशित. हम बनेंगे आपकी आवाज हिन्दी दैनिक

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,बुद्धवार.16 नवंबर,2022 वर्ष–07 / अंक–186 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

गुजरात में कौन बिगाड़ेगा कांग्रेस का खेल, क्या इस गणित को ठीक करने में कामयाब होंगे राहुल ?

गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। 2017 में राहुल गांधी ने यहां पर धुआंधार प्रचार किया था। इस बार वे श्भारत जोड़ो यात्राश निकाल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रचार से भी राहुल गांधी दूर ही रहे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस ने ग्रामीण गुजरात में लोगों से ठीक–ठाक संपर्क किया है। कांग्रेस को वहां अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद नजर आई थी, लेकिन श्आपश के बढ़ते जनाधार ने पार्टी को अपनी तय रणनीति में बदलाव लाने पर मजबूर कर दिया।भाजपा को हुआ दोहरा फायदा 2017 में 182 सीटों में से भाजपा को 99 और कांग्रेस के खाते में 77 सीटें आई थीं। उस वक्त भाजपा को श्पटेलश आंदोलन से जूझना पड़ रहा था। अब दो आंदोलनकारी नेता हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर भाजपा में हैं। भाजपा नेता कहते हैं कि हमें दोहरा फायदा हुआ है। आंदोलनकारी नेता अब हमारे पाले में हैं और दूसरा श्आम आदमी पार्टीश की सक्रियता। इसका नुकसान कांग्रेस पार्टी को पहुंच सकता है। यही वजह है कि यात्रा के बीच से गुजरात में राहुल गांधी की रैलियों का कार्यक्रम तय किया जा रहा है। सोनिया गांधी भी यहां पर कुछ जनसभाओं में आ सकती हैं।पिछले विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात में पटेल आरक्षण आंदोलन शुरू हुआ था। उससे पार्टी को राजनीतिक नुकसान हुआ। नतीजा, विधानसभा चुनाव में भाजपा दो अंकों में सिमट गई। हालांकि भाजपा ने सरकार बनी ली। अल्पेश ठाकोर, जिसने श्ठाकोर सेनाश के नाम से अपना एक बड़ा संगठन बनाया था, अब वे भी कमल के फूल के साथ हैं। गुजरात में उनका संगठन दस हजार से अधिक गांवों में फैला हुआ है। तीसरे आंदोलनकारी नेता जिग्नेश

मेवानी थे, वे भी गत वर्ष कांग्रेस में शामिल हो गए थे। भाजपा को यह लग रहा था कि इस बार के चुनाव में उसकी टक्कर कांग्रेस से होगी। कुछ माह पहले तक किसी को यह अंदाजा नहीं था कि आम आदमी पार्टी वहां पर एकाएक इतनी ज्यादा सक्रिय हो जाएगी।आप से भाजपा को कोई नुकसान नहीं भाजपा को कांग्रेस की जमीनी सक्रियता मालूम थी।

राहुल बोले- भाजपा नहीं चाहती दलितों को अधिकार मिले, जयराम रमेश कांग्रेस नेता पर कही यह बात

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हर दिन इसलिए संविधान पर हमला करती रहती है, क्योंकि वह यह स्वीकार नहीं करना चाहती कि दलितों, आदिवासियों और गरीबों को अधिकार मिलने चाहिए। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा असली राहुल गांधी को जनता के सामने ला गई है। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर महाराष्ट्र के वाशिम जिले में एक जनसभा आयोजित की गई थी। इसे संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि आदिवासी देश के असली मालिक हैं और उनके अधिकार सबसे पहले आते हैं। इस रैली में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा द्वारा बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चौतरफा हमला किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा हर दिन संविधान पर इसलिए हमला करती है, क्योंकि वे इस बात को स्वीकार नहीं करते हैं कि दलितों, आदिवासियों और गरीबों को अधिकार मिलने चाहिए। गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार को महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के वाशिम जिले में पहुंची। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा असली राहुल गांधी को सामने लायी है और इसने कांग्रेस सांसद की छवि को पूरी तरह से बदल दिया है। वाशिम में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित

करते हुए उन्होंने बताया कि यात्रा अपने 69वें दिन में प्रवेश कर गई है। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी के नेतृत्व में चल रही राष्ट्रव्यापी पदयात्रा का किसी भी राज्य के चुनाव से कोई लेना–देना नहीं है। इसके असर का आकलन 2024 के चुनाव में ही किया जा सकता है।

संक्षिप्त सार

मैनपुरी में डिंपल के खिलाफ ताल ठोंकेंगे भाजपा के शाक्य

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश की एक लोकसभा सीट और बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ की एक–एक विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट से डिंपल यादव के खिलाफ भाजपा ने रघुराज सिंह शाक्य को उतारा है। वहीं विधानसभा सीटों की बात करें तो राजस्थान में सरदारशहर विधानसभा सीट से अशोक कुमार पिंचा को टिकट दिया है।

यहां रवींद्र जडेजा की पत्नी हैं भाजपा उम्मीदवार, पिछले चुनावों में ऐसे थे नतीजे

जामनगर जिले की जामनगर उत्तर सीट इस चुनाव की सबसे चर्चित सीटों में से एक है। इस बार यहां से क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा मैदान में हैं। 2008 में हुए परिसीमन के बाद यह सीट अस्तित्व में आई। 2012 में यहां पहली बार चुनाव हुए। रिवाबा की उम्मीदवारी से इस सीट का मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

2012 में कांग्रेस के खाते में गई थी ये सीट

2012 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से कांग्रेस के धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने जीत दर्ज की थी। धर्मेंद्र ने भाजपा के मुलुभाई को 9 हजार से ज्यादा वोट के अंतर से हराया था। उस चुनाव में कुल 13 उम्मीदवार मैदान में थे। भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों को छोड़कर बाकी 11 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी।

2017 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से भाजपा ने कांग्रेस छोड़कर आए धर्मेंद्र जडेजा को अपना उम्मीदवार बनाया था। जडेजा ने कांग्रेस के जीवनभाई कुम्भारवाड़िया को 40 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। इन दोनों के अलावा बाकी 22 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

2017 के राज्यसभा चुनावों के दौरान भाजपा के लिए क्रॉस–वोटिंग के लिए कांग्रेस ने जडेजा को पार्टी से निष्कासित किया था। बाद में धर्मेंद्र जडेजा रुपाणी सरकार में मंत्री भी बने थे। पिछले दिनों गुजरात उच्च न्यायालय ने भाजपा के मौजूदा विधायक धर्मेंद्र के खिलाफ एक आपराधिक मामला वापस लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद से ही भाजपा से उनकी उम्मीदवारी की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई थीं। 2012 से पहले इस सीट का अधिकांश हिस्सा जामनगर विधानसभा सीट में आता था। नए परिसीमन के बाद इसका अस्तित्व खत्म हो गया। जामनगर सीट 1985 से 2007 तक भाजपा का गढ़ रही। इस दौरान हुए सभी छह चुनाव में यहां से भाजपा को जीत मिली थी। जे आठ दिसंबर को आएंगे।

तीन साल पहले भाजपा में आई रिवाबा को टिकट

2019 में भाजपा ज्वाइन करने वाली रिवाबा जडेजा को भाजपा ने इस चुनाव में धर्मेंद्र सिंह जडेजा की जगह अपना उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं, कांग्रेस ने इस सीट से बीपेंद्र सिंह जडेजा को अपना उम्मीदवार बनाया है। यहां एक दिसंबर को पहले चरण में मतदान होना है। नतीजे आठ दिसंबर को आएंगे।

2017 में जामनगर जिले में कांग्रेस को तीन तो भाजपा को मिली थी दो सीटें

जामनगर उत्तर सीट जामनगर जिले में आती है। इस जिले में कुल 5 सीटें हैं। 2017 में जिले की पांच में से दो सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। वहीं, तीन सीटों पर कांग्रेस जीत दर्ज करने में सफल रही थी।

पत्नी रिवाबा जडेजा के साथ रवींद्र जडेजा।

क्या हैं चुनाव की तारीखें ?

पहले चरण में 89 सीटों पर चुनाव होना है। पहले चरण के लिए पांच नवंबर को अधिसूचना जारी हो चुकी है। 14 नवंबर तक नामांकन किया जा सकेगा। नामांकन पत्रों की जांच 15 नवंबर को होगी। 17 नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। वहीं, एक दिसंबर को चुनाव होगा। इसी तरह दूसरे चरण में 93 सीटों पर चुनाव होना है। इसके लिए अधिसूचना 10 नवंबर को जारी हुई है। 17 नवंबर तक नामांकन दाखिल किया जा सकेगा। 18 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। वहीं, 20 नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। दूसरे चरण के लिए पांच दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। चुनाव नतीजे आठ दिसंबर को आएंगे।

डिंपल के खिलाफ शिवपाल के करीबी बने BJP प्रत्याशी

मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने प्रत्याशी का एलान कर दिया है। भाजपा ने सपा के पूर्व सांसद और विधायक रघुराज सिंह शाक्य को टिकट दिया है। रघुराज को शिवपाल यादव का करीबी माना जाता था। फरवरी तक वह शिवपाल यादव की पार्टी में थे। शिवपाल और अखिलेश में समझौता होने के बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था। आइए जानते हैं रघुराज शाक्य के बारे में सबकुछ। यादव परिवार से शाक्य के क्या रिश्ते हैं? शाक्य मैनपुरी में डिंपल यादव के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकते हैं ?

पहले रघुराज सिंह शाक्य के बारे में जान लीजिए

रघुराज सिंह शाक्य को शिवपाल सिंह यादव का काफी करीबी माना जाता था। 1999 और 2004 में वह समाजवादी पार्टी के टिकट पर इटावा लोकसभा सीट से सांसद चुने जा चुके हैं। 2004 में सपा ने इटावा लोकसभा से शाक्य को प्रत्याशी बनाया था, तब उन्हें 367,807 वोट मिले थे। 2009 में फतेहपुर सीकरी से शाक्य को सपा ने टिकट दिया था। हालांकि, तब वह चौथे नंबर पर रहे थे। 2012 में इटावा विधानसभा से टिकट मिला और शाक्य चुनाव जीत गए।

2017 में जब शिवपाल सिंह यादव और अखिलेश यादव के बीच अनबन शुरू हुई तो शाक्य भी शिवपाल के साथ प्रगतिशील समाज पार्टी में आ गए। इस बार 2022 का विधानसभा चुनाव प्रसपा–सपा गठबंधन से लड़ने की तैयारी में थे। उन्हें भरोसा भी दिया गया था कि इटावा से उन्हें टिकट दिया जाएगा, लेकिन आखिरी वक्त में सपा ने वहां से सर्वेश शाक्य को मैदान में उतार दिया। सर्वेश पूर्व सांसद रामसिंह शाक्य के बेटे हैं। इससे नाराज रघुराज ने आठ फरवरी 2022 को प्रसपा छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया।

डिंपल को कितनी चुनौती दे पाएंगे शाक्य?

इसे समझने के लिए हमने वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद कुमार सिंह से बात की। उन्होंने कहा, श्रघुराज सिंह शाक्य समाजवादी पार्टी के पुराने नेता रहे हैं। मुलायम–शिवपाल सिंह यादव के करीबी रहे। यादव परिवार में उनकी अच्छी दखल थी। ऐसे में उनका सपा के खिलाफ चुनाव लड़ना बड़ा सियासी संदेश है। समाजवादी पार्टी को इससे नुकसान उठाना पड़ सकता है।श अब डिंपल को चुनाव में इन तीन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रमोद कुमार सिंह ने कहा, 'रामपुर में भी भाजपा ने आजम खान के करीबी रहे घनश्याम लोधी को टिकट दिया था और वह जीत भी गए। यही रणनीति मैनपुरी लोकसभा चुनाव उप–चुनाव में भाजपा ने अपनाई है। उसे रामपुर जैसे नतीजों की उम्मीद होगी।'

प्रमोद कहते हैं, 'मैनपुरी में शाक्य समाज के वोटर्स की संख्या काफी अधिक है। इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। इसके साथ ही अगर शिवपाल पर्दे के पीछे से भी रघुराज का समर्थन करते हैं तो डिंपल को इसका नुकसान हो सकता है। भाजपा इस सीट पर प्रचार करने के लिए मुलायम की छोटी बहू अपर्णा को भी उतारने की तैयारी में है। इसके जरिए भाजपा परिवार की फूट को दिखाकर उसे भुनाने की कोशिश करेगी।'

मैनपुरी का क्या है समीकरण?

मैनपुरी में अभी करीब 17 लाख वोटर्स हैं। इनमें 9.70 लाख पुरुष और 7.80 लाख महिलाएं हैं। 2019 में इस सीट पर 58.5: लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। मुलायम सिंह यादव को कुल 5,24,926 वोट मिले थे, जबकि दूसरे नंबर पर रहे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रेम सिंह शाक्य के खाते में 4,30,537 मत पड़े थे। मुलायम को 94,389 मतों के अंतर से जीत मिली थी।

जातीय समीकरण की बात करें तो ये सीट पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की बहुलता वाली सीट है। यहां सबसे ज्यादा यादव मतदाता हैं। इनकी संख्या करीब 3.5 लाख है। शाक्य, ठाकुर और जाटव मतदाता भी अच्छी संख्या में हैं। इनमें करीब एक लाख 60 हजार शाक्य, एक लाख 50 हजार ठाकुर, एक लाख 40 हजार जाटव, एक लाख 20 हजार ब्राह्मण, एक लाख लोधी राजपूतों के वोट हैं। वैश्य और मुस्लिम मतदाता भी एक लाख के करीब हैं। कुर्मी मतदाता भी एक लाख से ज्यादा हैं।

मैनपुरी लोकसभा सीट में विधानसभा की पांच सीटें आती हैं। इनमें चार सीटें– मैनपुरी, भोगांव, किशनी और करहल मैनपुरी जिले की हैं। इसके साथ ही इटावा जिले की जसवंतनगर विधानसभा सीट भी इस लोकसभा सीट का हिस्सा है। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में मैनपुरी जिले की दो सीटों पर भाजपा, जबकि दो पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत हासिल की थी। इसमें मैनपुरी और भोगांव भाजपा के खाते में गई थी, जबकि किशनी और करहल सपा के। करहल से खुद अखिलेश यादव विधायक हैं। वहीं, इटावा की जसवंतनगर सीट पर सपा के टिकट पर शिवपाल सिंह यादव जीते थे।

गोरखपुर में दो बेटियों के साथ क्यों फंदे से लटक गया पिता? रुला देगी गरीबी की यह दास्तां

गोरखपुर जिले से तीन लोगों की आत्महत्या से सनसनी फैल गई है। यहां शाहपुर इलाके में गीता वाटिका स्थित घोसीपुरवा में पिता और दो बेटियों ने दुपट्टे के सहारे फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर एसपी सिटी और फॉरेंसिक टीम जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच में पता चला कि बच्चियों की फीस पांच महीने से बकाया थी।

जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के गीता वाटिका स्थित घोसीपुरवा निवासी ओमप्रकाश श्रीवास्तव के दो बेटे हैं। दोनों अलग बगल के मकान में रहते हैं। ओमप्रकाश मूल रूप से बिहार के गुठनी थाना क्षेत्र सिवान के रहने वाले हैं। घोसीपुरवा में तीस साल से मकान बनवा कर रहते हैं।

ओम प्रकाश के बड़े बेटे जितेंद्र श्रीवास्तव (45) अपनी दो बेटियों और पिता के साथ रहते थे। जितेंद्र श्रीवास्तव घर में ही सिलाई का काम करते थे। बताया जा रहा है कि 1999 में मैरवा स्टेशन पर ट्रेन से गोरखपुर आते समय एक पैर कट गया था। कृत्रिम पैर के सहारे घर में ही सिलाई का काम करते थे जबकि उनकी पत्नी सिम्मी की दो साल पहले कैंसर से मौत हो गई थी। उनकी दोनों बेटियां मान्या श्रीवास्तव (16) और मानवी श्रीवास्तव (14) आवास विकास स्थित सेन्ट्रल एकेडमी में कक्षा नौ और सात में पढ़ती थीं। मृतक के पिता ओमप्रकाश प्राइवेट गार्ड का काम करते हैं। सोमवार की रात शहर में ड्यूटी पर गए थे। सुबह मकान पहुंचे तो एक कमरे में बेटा और दूसरे कमरे में दो बेटियों के शव दुपट्टे के सहारे लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घर से मिले दो मोबाइल फोन और सुसाइड नोट की पुलिस जांच कर रही है। दोनों बच्चियों की पांच–पांच महीने की स्कूल फीस बकाया थी। मगर, स्कूल प्रबंधन का दावा है कि स्कूल फीस को लेकर उनके द्वारा कोई दबाव अभिभावकों पर या बच्चियों पर नहीं बनाया गया था। दोनों छात्राएं पढ़ने में भी अच्छी थीं। खासकर मान्या पढ़ने के साथ गैर शैक्षणिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती थी। स्कूल प्रबंधन की ओर से बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भी मान्या ने हिस्सा लिया था। साथियों और शिक्षकों का कहना है कि किसी भी प्रकार का दबाव बच्ची के ऊपर नजर नहीं आ रहा था। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि बच्चियों की आर्थिक स्थिति से उनके पिता द्वारा अवगत कराया गया था। बच्चियों के पढ़ाई में ठीक होने की वजह से स्कूल प्रबंधन की ओर से फीस को लेकर कोई दबाव नहीं बनाया जाता था।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

शहर में डेंगू के प्रकोप और उससे लगातार हो रही जीवन की क्षति और प्लेटलेट्स की मांग को देखते हुए कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रो संगीता श्रीवास्तव ने संस्था की नैतिक सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की पहल की। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सीनेट हाल में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 71 स्वयं सेवकों, शिक्षकों एवं छात्रों ने स्वैच्छिक रक्तदान हेतु नामांकन किया, जिनमें 41 लोग रक्तदान के लिए अर्ह पाए गए और उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का प्रारंभ कार्यक्रम अधिकारी डॉ रवीन्द्र प्रताप सिंह एवं डॉ प्रमोद कटारा के रक्तदान से हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन से सहायक कुलसचिव श्री आशीष पाण्डेय एवं विधि अधिकारी पीयूष मिश्र जी ने रक्तदान किया। डॉ राजू पारधी एवं डॉ सतीश प्रजापति जी ने भी स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस अवसर पर प्रतिभाग करने वाले इन 71 रक्तदाताओं में कला संकाय, विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय एवं विधि संकाय से स्वैच्छिक रक्तदाता शामिल थे। रक्तदान शिविर का उद्घाटन कुलसचिव प्रो नरेंद्र शुक्ल, डीन विज्ञान संकाय प्रो शेखर श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ राजेश कुमार गर्ग एवं ड़ा नीतू मिश्रा भी मौजूद थे। इस अवसर पर इस सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र एवं स्वल्पाहार का वितरण भी किया गया है। स्वल्पाहार का वितरण बेली हास्पिटल एवं ब्लड बैंक के सौजन्य से हुआ। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया। प्रमाण पत्र देने एवं उत्साहवर्धन के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारीगण एवं आचार्यगण उपस्थित रहे। प्रो0 मनमोहन कृष्ण, प्रो हरिशंकर उपाध्याय, प्रो पंकज कुमार, प्रो हर्ष कुमार, प्रो धनंजय यादव, प्रो राकेश सिंह (वित्त अधिकारी) प्रो एस0आई0 रिजवी , श्री ए0के0 कनौजिया (परीक्षा नियंत्रक) प्रो0 प्रणय कृष्ण, प्रो के एन उत्तम, प्रो. के पी सिंह, प्रो शिवमोहन प्रसाद, प्रो ए0आर0 सिद्दकी, प्रो0 जया कपूर, प्रो0 अर्चना चहल, डॉ बी0के0 सिंह, मेजर हर्ष कुमार, श्रीमान केशव उपाध्याय , डॉ पिंकी सैनी, डॉ रुचि दुबे, डॉ हरबंस सिंह, डॉ. अवनीश चतुर्वेदी, डॉ शशिकांत शुक्ल, डॉ अनूप कुमार, डॉ शिव कुमार यादव, डॉ मुनीश कुमार, डॉ गजुला राजू, डॉ अर्चना शाक्य आदि के हाथों रक्तदाताओं ने अपने प्रशस्ति पत्र प्राप्त किये। रक्तदान में छात्राओं ने भी बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय की मेडिकल टीम में डॉ संजू शुक्ला, अजय मिश्र, पंकज कुमार,लवलेश चंद्र शुक्ल, भूपेंद्र पाण्डेय, उपासना सुधाकर, सीता देवी, अमन कुमार, सुशील कुमार, अभिनव कुमार, ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह और रजत कुमार जी का सहयोग प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री जी ने आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनकों तथा मेडिकल टीम को सम्मानित भी किया।

भाजपा की हर वार्ड में कमल खिलाने की है तैयारी (गणेश केसरवानी)

15 नवंबर प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा आज प्रयागराज महानगर के सभी वार्डों की बैठक आयोजित किया गया इस अवसर पर कृष्णा नगर वार्ड की बैठक करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि मात्र एक लक्ष्य है और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपने करणीय कार्यों के माध्यम से प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी के साथ लग चुका है उन्होंने कहा कि यह निकाय चुनाव मात्र चुनाव नहीं है भाजपा की रीत नीति सिद्धांत और भाजपा सरकार के द्वारा किए गए उपलब्धियों का चुनाव है मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि प्रयागराज महानगर के 79 वार्डों में बैठक आयोजित किया गया जिसमें सभी करणीय कार्यों की सूची बनाई गई जिसमें प्रमुख रुप से वार्ड सामाजिक समीकरण ,बूथ समिति ,वार्ड वार सामाजिक नेताओं, संवेदनशील बूथों की पोलिंग स्टेशन प्रभारियों की, मठ मंदिर प्रभारियों की, प्रबुद्ध समाज की, चुनाव संचालन समिति की सूची बनाई गई इसके अलावा बूथ स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप, की वोटर्स, नए मतदाताओं की, स्मार्टफोन के कार्यकर्ताओं की बूथ कार्यसमिति की सूची बनाई गई बैठक में प्रमुख रूप से अवधेश चंद्र गुप्ता, कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, देवेंद्र मिश्रा, पार्षद किरन जायसवाल, विवेक अग्रवाल, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, सुभाष वैश्य, राजन शुक्ल, दिनेश विश्वकर्मा, अजय अग्रहरि, मनोज मिश्रा,सत्या जायसवाल, आशीष जायसवाल, मुकेश लारा ,हिमालय सोनकर , एवं वार्ड के बूथ के सभी पदाधिकारी अपने–अपने वार्डों में उपस्थित रहे

सक्करबाग चिड़ियाघर से आएगा बब्बर शेर और भेड़िए का जोड़ा

नए वर्ष में शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान घूमने जाने वाले लोग जोड़े में बब्बर शेर और भेड़िया भी देख सकेंगे। इन्हें गुजरात के सक्कर बाग चिड़ियाघर से लाया जाएगा। प्रबंधन की तरफ से इन्हें लाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। बब्बर शेर को लाने की स्वीकृति 2018 में ही मिली थी, लेकिन अनुमित की अवधि सिर्फ छह माह की ही होती है। ऐसे में चिड़ियाघर प्रबंधन की तरफ से सितंबर में ही सीजेडए को रिमाइंडर (अनुस्मारक) लेटर भेज कर पुनरू अनुमित मांगी गई है। अनुमति मिलते ही बब्बर शेर और भेड़िए के जोड़े को गोरखपुर लाया जाएगा। मार्च 2021 में कुल 152 वन्य जीवों के साथ गोरखपुर चिड़ियाघर का उद्घाटन किया गया था। इसी वक्त भेड़िए का जोड़ा भी लाया जाना था। लेकि, किसी वजह से इन्हें नहीं लाया जा सका। जबकि उनका बाड़ा चिड़ियाघर में पहले से ही बनकर तैयार है। पिछले दिनों सक्कर बाग चिड़ियाघर में भेड़ियों का प्रजनन हुआ है। इसके बाद प्रबंधन पूरी तरह आश्वस्त है कि सरकार और चिड़ियाघर प्रबंधन से वार्ता कर वहां से जोड़े में भेड़िए भी लाए जा सकेंगे। प्रबंधन ने बचे दोनों बब्बर शेर और भेड़ियों को साथ लाए जाने की योजना तैयार की। पिछले महीने ही रिमाइंडर पत्र सीजेडए को भेज भी दिया गया। इधर, एक घटना में उम्रदराज हो चुका बब्बर शेर पटौदी घायल हो गया। इसी बीच प्रबंधन ने बचे दोनों बब्बर शेरों को लाए जाने की तैयारी और तेज कर दी है।

2018 में गुजरात के सक्करबाग चिड़ियाघर से 11 बब्बर शेर यूपी लाने की स्वीकृति मिली थी। इनमें चार को गोरखपुर चिड़ियाघर और सात को इटावा लायन सफारी लाया जाना था। पहले चरण में कुल सात बब्बर शेर लाए गए, जिनमें एक की मौत हो गई।

गुजरात का मौसम होता है गर्म चार शेर लायन सफारी, इटावा में रखते हुए दो शेर (नर, पटौदी और मादा, मरियम) को गोरखपुर चिड़ियाघर भेज दिया गया। ऐसे में अब स्वीकृत बब्बर शेरों में से दो गोरखपुर लाए जाएंगे। प्रबंधन की टीम जब इन्हें लाएगी तो उसी वक्त भेड़ियों को लाए जाने की अनुमित लेकर उन्हें भी गोरखपुर चिड़ियाघर ला दिया जाएगा।

गुजरात का मौसम गर्म होता है। ऐसे में वन्य जीवों को नवंबर के अंत तक गोरखपुर चिड़ियाघर ला दिया जाएगा। हालांकि इसकी संभावना कम ही दिख रही है। ऐसे में प्रबंधन की तैयारी है कि फरवरी अंतिम सप्ताह या मार्च की शुरुआत में वन्य जीवों को यहां ला दिया जाए। इससे उन्हें यहां के मौसम में खुद को ढालने में परेशानी नहीं होगी। गोरखपुर चिड़ियाघर के पीसीएफ प्लानिंग व निदेशक डॉ. एच राजामोहन ने कहा कि गुजरात के सक्कर बाग चिड़ियाघर से बब्बर शेर और भेड़िए के जोड़े लाए जाने हैं। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। हालांकि, हमने एक रिमाइंडर पत्र पहले ही केंद्रीय चिड़ियाघर को भेज दिया है। चूंकि, स्वीकृति पहले ही मिल चुकी थी तो रिमाइंडर भेजकर सिर्फ उनसे अनुमित मांगी है। मिलते ही प्रबंधन की टीम गुजरात जाकर वहां से वन्य शेर लेते आएगी। जबकि, भेड़िए के लिए पूरी उम्मीद है कि वार्ता सफल रहेगी और वार्ता के बाद जोड़े में उन्हें भी चिड़ियाघर ला दिया जाएगा।

विज्ञापन दर
समाचार पत्र का साइज 25x32
फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

UP उपचुनाव की बीजेपी की लिस्ट जारी 1–मैनपुरी लोकसभा से रघुराज सिंह शाक्य 2–रामपुर विधानसभा उपचुनाव में आकाश सक्सेना 3–मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा उपचुनाव में राजकुमार सैनी को टिकट

भारतीय जनता पार्टी
केन्द्रीय कार्यालय
6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
फोन: 011-23500000 फैक्स: 011-23500190

दिनांक: 15.11.2022

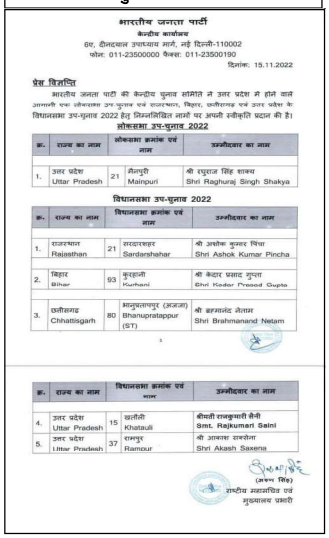

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी एक लोकसभा उप-चुनाव एवं राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़ एवं उत्तर प्रदेश के विधानसभा उप-चुनाव 2022 हेतु निम्नलिखित नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

लोकसभा उप-चुनाव 2022

क्र.	राज्य का नाम	लोकसभा क्रमांक एवं नाम		उम्मीदवार का नाम
1.	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	21	मैनपुरी Mainpuri	श्री रघुराज सिंह शाक्य Shri Raghuraj Singh Shakya

विधानसभा उप-चुनाव 2022

क्र.	राज्य का नाम	विधानसभा क्रमांक एवं नाम		उम्मीदवार का नाम
1.	राजस्थान Rajasthan	21	सरदारशहर Sardarshahar	श्री अशोक कुमार पिंचा Shri Ashok Kumar Pincha
2.	बिहार Bihar	93	कुरहानी Kurhani	श्री केदार प्रसाद गुप्ता Shri Kedar Prasad Gupta
3.	छत्तीसगढ़ Chhattisgarh	80	भानुप्रतापपुर (अजजा) Bhanupratappur (ST)	श्री ब्रहमानंद नेताम Shri Brahmanand Netam

1

क्र.	राज्य का नाम	विधानसभा क्रमांक एवं नाम		उम्मीदवार का नाम
4.	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	15	खतौली Khatauli	श्रीमती राजकुमारी सैनी Smt. Rajkumari Saini
5.	उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	37	रामपुर Rampur	श्री आकाश सक्सेना Shri Akash Saxena

(अरुण सिंह)
राष्ट्रीय महासचिव एवं
मुख्यालय प्रभारी

ज्वाला देवी गंगापुरी में बच्चों के सर्वागीण विकास हेतु बाल मेले का हुआ भव्य आयोजन

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज गंगापुरी रसूलाबाद में आज दिनांक 15 नवंबर 2022 को बाल मेले का भव्य आयोजन हुआ। बाल मेला का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दिलीप चौरसिया जी (प्रसिद्ध समाजसेवी) कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.युगांतर पाण्डेय जी (बाल रोग विशेषज्ञ किलकारी हॉस्पिटल तेलियरगंज प्रयागराज), श्रीमान रामजी सिंह (प्रदेश निरीक्षक भारतीय शिक्षा समिति काशी प्रांत), श्रीमान मुकुंद तिवारी (पार्षद रसूलाबाद प्रयागराज), श्री जगदीश सिंह जी (क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश), श्रीमती रचना मिश्रा (विद्यालय मातृ भारती की अध्यक्ष) श्री धनंजय पांडेय (प्रधानाचार्य श्रीमती जगपति देवी इंटर कॉलेज लखनेपुर, सोरांव,प्रयागराज) जी ने माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथि परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान युगल किशोर मिश्र जी ने कराया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह जी द्वारा रखी गई।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालय ही समाज में संस्कार युक्त वातावरण के साथ–साथ भैया बहनों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में कहा कि आज संपूर्ण समाज उम्मीद करता है कि हमारे बालक का संस्कार अच्छा हो ताकि वह समाज निर्माण में अपना अभूतपूर्व योगदान दे सके। कार्यक्रम के अध्यक्ष महोदय ने बाल मेले को कौशल विकास का हिस्सा बताते हुये कहा कि बच्चा खेल–खेल में समाज के विभिन्न पहलुओं से परिचित हो जाता है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र जी ने देश की युवा पीढ़ी को देश का भविष्य बताते हुये कहा कि भारत की युवा प्रतिभा का पूरा विश्व लोहा मान रहा है और आज का बालक अत्यन्त प्रतिभाशाली है।

इस अवसर पर विद्यालय के भैयाबहनों ने मेले की अदभुत तैयारी के साथ तरह–तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ–साथ भैयाबहनों के मनोरंजन के लिए अनेक तरह खेल और तर्कशक्ति विकास के लिए अन्य प्रकार के खेलों के स्टॉलों को लगाकर अभिभावकों और भैयाबहिनों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर भारी संख्या में भैयाबहिन अपने अभिभावको के साथ मेला का आनन्द लेते दिखे।

विद्यालय के प्रबंधक डॉ. आनन्द श्रीवास्तव, अध्यक्ष श्रीमान शरद जी गुप्त व प्रबंध समिति के सभी सदस्यों ने आशीर्वचन प्रदान करते हुए कार्यक्रम की सफलता का श्रेय प्रधानाचार्य,आचार्यआचार्या व भैयाबहनों को दिया। कार्यक्रम का संयोजन विद्यालय के आचार्य संदीप मिश्र ने किया व संचालन श्री सरोज सिंह ने किया।इस अवसर पर जनार्दन प्रसाद दुबे, कनक सिंह, बेबिका राय, रोली मालवीय, रीता विश्वकर्मा, विजय सिंह राज कुमार सिंह एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे।

पूरे राम सहाय से प्रयागराज जाने वाली मुख्य सड़क क्षतिग्रस्त,आये दिन हो रहे सड़क हादसे ग्रामीण परेशान

दुर्गागंज।रानीगंज से देल्हूपुर जाने वाली मार्ग के अंतर्गत पूरे राम सहाय गांव से होकर प्रयागराज को जोड़ने वाली मार्ग व नरसिंहगढ़ पुल के पास होकर कुकरी का पूरा बस्ती को जोड़ते हुए देवगलपुर प्रयागराज गुजरने वाली सड़क पिछले कई वर्षो से यह पूरी तरह से क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। राहगीरों को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और जानकारी के अनुसार कई बार इस सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे होने के कारण विद्यालय जा रहे बच्चों के साथ हादसे भी हो चुके हैं ! सड़क की मरम्मत या नवीन कार्य के लिए विभाग से कोई सुध नहीं ली गई ! ग्राम पंचायत पुरेराम सहाय के विनोद कुमार ने बताया की यह दोनो मार्ग गांव से होते हुए प्रयागराज जिले की सीमा को जोड़ने वाली सड़क है जो 2 किलोमीटर तक का सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है और हमारे जिले के सांसद व विधायक भी कभी विकास के नाम पर गांव में ध्यान नही देते है।इस सड़क पर वाहन चलाना काफी घातक है जिसपर भारी दुर्घटना होने का अंदेशा आए दिन रहता है। विद्यालय जा रहे बच्चो के साथ आए दिन सड़क पर गड्ढे होने के कारण घटना घटित होता रहता है। पीडब्ल्यूडी विभाग व सम्बन्धित अधिकारियों को ग्रामीणों ने कई बार लिखित मे नवीन सड़क बनाने की प्रार्थना पत्र दिए गए है इसके बावजूद भी विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की, जिससे ग्रामीणों में काफी रोष व्याप्त है! पंचायत सरपंच ने मांग की कि जल्द से जल्द इस सड़क को नवीन सड़क बनाकर राहगीरों को राहत प्रदान करें। मौके पर मौजूद ग्रामवासी उमेश कुमार पटेल, मो शाहबान, गुलजार,राम आसरे,जगत नारायण मिश्र, श्रीराम पांडेय, आलोक विश्वकर्मा, अरविन्द कुमार, अजय कुमार, लाहरी सरोज साहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रेलवे पेंशनर्स ने बैठक में पेंशनर दिवस 17 दिसंबर को धूमधाम से मनाएंगे ,तन मन धन से सफल बनाकर सरकार से अपनी मांगे मनवाएंगें कहा

अवकाश प्राप्त रेलवे कर्मचारी हितकारी समिति प्रयागराज के तत्वाधान में सैकड़ों रेलवे पेंशनर्स की उपस्थिति में लोको कॉलोनी सिविल लाइंस प्रयागराज में मासिक बैठक हुई जिसमें सभी ने कहा कि 17 दिसंबर पेंशनर दिवस धूमधाम से मनाएंगे, तन मन धन से इसे सफल बनाकर सरकार से अपनी मांगे मनवाएंगे का नारा दिया बैठक की अध्यक्षता राजबली शर्मा ,संचालन सरजीत सिंह व संयोजन रामलाल पटेल, रमेश, लियाकत अली आदि ने किया इस अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में सुशील कुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष व महामंत्री श्यामसुंदर सिंह पटेल दोनों यूनाइटेड फोरम आफ पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन प्रयागराज मंच पर उपस्थित रहे बैठक की शुरुआत भारत माता की जय ,पेंशनर एकता जिंदाबाद, रेलवे पेंशनर जिंदाबाद, सभी पेंशनर जिंदाबाद, हमारी मांगे पूरी हो ,पूरी हो के नारों के साथ शुरू हुई तत्पश्चात बैठक का एजेंडा पॉइंट की जानकारी राजबली शर्मा ने दिया जिसे सर्वसम्मति से पास कर इसकी कार्ययोजना बनाई गई जिनमें प्रमुख मांगे है पुरानी पेंशन बहाल हो, पेंशन वृद्धि की आयु 65 वर्ष 70 वर्ष 75 वर्ष पूरे होने पर क्रमशः 5:,10:,15: पेंशन वृद्धि दी जाए जैसे 80 वर्ष पर 20: दी जाती है ,मेडिकल भत्ता रुपए 1000 से बढ़ाकर ₹3000 किया जाए ,30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो उसे एक इंक्रीमेंट देकर उसकी पेंसिन फिक्स की जाए, कंप्यूटेशन कटौती राशि 15 वर्ष के बजाए 10 वर्ष की जाए क्योंकि कटौती 10 वर्ष में पूरी हो जाती है ,रेलवे सातवें वेतन आयोग के अनुसार संशोधित पी पी ओ शीघ्र जारी हो क्योंकि उम्मीद कार्ड मिलने में बड़ी कठिनाई हो रही है तथा 17 दिसंबर को पेंशनर दिवस हजारों की संख्या में शामिल होकर धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया निर्णय

इस अवसर पर श्यामसुंदर सिंह पटेल ने कहा कि संगठन में शक्ति है वही सफलता की सोपान है पेंशनर दिवस शक्ति प्रदर्शन दिवस के रूप में मनाया जाएगा इसमें सभी विभागों के पेंशनर्स व पूर्व सैनिक भाई–बहन बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे जिससे आपकी मांगे सरकार से बनवाई जा सके जिस पर सभी ने खुशी जाहिर कर तालियां बजाकर स्वागत किया, यूनाइटेड फोरम के अध्यक्ष सुशील कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस बार के पेंशनर दिवस पर 51 पेंशनर्स संगठनो के सदस्य हजारों की संख्या में शामिल होंगे तथा समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा इस हेतु आप सभी के तन मन धन से सहयोग की अपील है हमारा प्रयास रहता है कि पेंशनर्स की सभी समस्याओं का समाधान शीघ्र हो सभी स्वस्थ व खुशहाल रहे जिस पर सभी ने खुशी जाहिर किया व तालियां बजाकर समर्थन किया इसी प्रकार अन्य वक्ताओं ने भी उक्त से मिली जुली बातें कहीं व मांगों का समर्थन किया जिसमें प्रमुख रुप से श्याम सुंदर सिंह पटेल ,सुशील कुमार श्रीवास्तव, एके भारद्वाज, सरजीत सिंह, शक्तेस्वर प्रसाद,सहदेव द्विवेदी, संतपाल स्वरूप ,लियाकत अली रमेश कुमार, ज्ञान प्रकाश, अंसार अहमद आर के मौर्य ,भोलानाथ ,सियाराम, रमेश, हरिश्चंद्र, रामलाल पटेल ,लक्ष्मीकांत, मोहम्मद जिब्राइल ,संजय मजूमदार, केजी मित्तल, त्रिभुवन, वेद प्रकाश आदि सैकड़ों लोग शामिल रहे अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन राजबली शर्मा ने किया जलपान व चाय नाश्ता के साथ बैठक संपन्न हुई

एनएसयूआई के छात्र नेताओं पर हुए हमले के विरोध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शहर कांग्रेस कमेटी ने ज्ञापन दिया

शनिवार रात को हिंदू हॉस्टल चौराहे पर एनएसयूआई के छात्र नेताओं पर कुछ अराजक तत्वों द्वारा किए गए हमले के विरोध में पुलिस की कार्यवाही से असंतुष्ट होकर कांग्रेस जनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज को ज्ञापन सौंपा और न्याय पूर्ण एवं विधि पूर्ण कार्यवाही करने की मांग की ।। ज्ञापन देने वालों में शहर अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन प्रदेश महासचिव: प्रभारी प्रयागराज श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव वसीम अंसारी जी, सुभाष चंद्र पांडे जी, रघुनाथ द्विवेदी,अनूप त्रिपाठी, भोले सिंह,इरशाद उल्ला, अरशद अली अर्शी अनुपम श्रीवास्तव, अब्दुल कलाम आजाद, नफीस कुरेशी, दरक्षा कुरेशी, अजय पांडे बागी, आदर्श मदोरिया, सत्यम कुशवाहा, आदि लोग उपस्थित रहे ।।

नगर निगम के दो जन सूचना अधिकारियों पर 25–25 हजार रुपये का जुर्माना

राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चंद्र सिंह ने नगर निगम के दो जन सूचना अधिकारियों पर 25–25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरटीआई के संबंध में जन सूचना देने में देरी करने के मामले में लगाया गया है। आरटीआई का यह मामला 2019 से 2022 के बीच का है। वर्तमान समय में कर अधीक्षक बीके लाल नगर निगम के जनसूचना अधिकारी हैं। मंगलवार को राज्य सूचना आयुक्त ने सूचना के अधिकार के तहत नगर निगम में जन सूचना के मांगे जाने और उनके निस्तारण के संबंध में समीक्षा की। इस दौरान नगर निगम में कुल 134 मामलों की उन्होंने समीक्षा की। 125 केसों को उन्होंने परीक्षण के लिए अपने पास रख लिया। वही 2019 से 2022 के बीच सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई सूचना में देरी करने पर संबंधित जन सूचना अधिकारियों पर 25–25 रुपये का जुर्माना लगाया। समीक्षा के बाद नगर निगम सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने यह सूचना दी। कहा कि सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई सूचना के संबंध में प्रथम द्वितीय अपीलीय अधिकारियों को क्रमशः 30 दिन और 45 दिन में सूचना दे देनी होती है।

मण्डलीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

मण्डलायुक्त ने आईजीआरएस से सम्बंधित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के दिए निर्देश

आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा में अधिक संख्या में असंतोषजनक फीडबैक पाये जाने पर मुख्य अभियंता पीडब्लूडी, उपायुक्त खाद्य तथा मुख्य वनसंरक्षक से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

मण्डलायुक्त ने जल जीवन मिशन के तहत करायें जा रहे कार्यों में तेजी लाने एवं करायें गये कार्यो की गुणवत्ता का टेक्निकल टीम के माध्यम से जांच कराये जाने के दिए निर्देश

निराश्रित गोवंशों को प्राथमिकता पर गो–आश्रय स्थलों में संरक्षित करने एवं गोवंश आश्रय स्थलों पर ठण्ड के दृष्टिगत सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मण्डलायुक्त ने प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रात्रि कालीन इमरजेंसी ड्यूटी पर अनिवार्य रूप से चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

कर करेत्तर की समीक्षा करते हुए आबकारी, स्टांप एंड रजिस्ट्रेशन, विद्युत तथा माइनिंग की वसूली कम होने पर सभी संबंधित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की।

ओवरलोडिंग की शिकायतें अधिक आने पर परिवहन विभाग को शहर के हर एंट्री प्वाइंट पर ओवरलोडिंग चेक करने तथा वाहनों पर लगे हुए नंबर प्लेट पठनीय योग्य हों यह सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को गांधी सभागार में आईजीआरएस, विकास प्राथमिकता कार्यो की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने आईजीआरएस पोर्टल की शिकायतों के निस्तारण एवं उसकी गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से किया जाये। आईजीआरएस के निस्तारण की गुणवत्ता की समीक्षा में मण्डलायुक्त ने अधिक संख्या में शिकायतों के निस्तारण के गुणवत्ता का फीडबैक असंतोषजनक पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने मुख्य अभियंता पीडब्लूडी, उपायुक्त खाद्य तथा मुख्य वनसंरक्षक से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने सभी अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि शिकायतों का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकता पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है।

विकास कार्यो की बिंदुवार समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने जल जीवन मिशन फेज–2 के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए उन्होंने हर घर जल योजना के अन्तर्गत कनेक्शन दिए जाने के कार्यो में तेजी लाये जाने का निर्देश सम्बंधित कार्यदायी संस्था को दिया है साथ ही साथ उन्होंने सभी मुख्य विकास अधिकारियों को टेक्निकल टीम के साथ कार्यो की गुणवत्ता की जांच भी किए जाने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि तय मानक की गहराई के अनुसार ही पाइप बिछाने का कार्य किया जाये साथ ही पाइप की गुणवत्ता भी निर्धारित मानक के अनुरूप हो। योजना के अन्तर्गत कार्य को तेजी के साथ पूरा कराये जाने के लिए श्रमिकों की संख्या को बढ़ाये जाने के लिए कहा है।

पशुपालन विभाग की समीक्षा में मण्डलायुक्त ने छुट्टा घूमने वाले पशुओं को बनाये गये निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी मुख्य पशुचिकित्साधिकारियों को ठण्ड के मौसम के दृष्टिगत निराश्रित गोवंशों के संरक्षित गोवंशों को ठण्ड से बचाव हेतु बोरे सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें किए जाने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने ग्राम समाज के चारागाहों में हरे चारे को बोने के लिए कहा है, जिससे कि निराश्रित गोवंशों को हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रात्रि में इमरजेंसी ड्यूटी में लगाये गये चिकित्सकों को अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य केन्द्रों पर रहने के निर्देश दिए है। उन्होंने इसकी रैण्डम जांच भी कराये जाने के लिए कहा है। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने अभियान चलाकर गोल्डेन कार्ड बनाये जाने का निर्देश दिया है। साथ ही साथ उन्होंने इस योजना से इम्पैनल्ड अस्पतालों के बारे में भी व्यापक प्रचार–प्रसार कराये जाने के लिए कहा हैं, जिससे कि लोगों को इसके बारे में जानकारी हो सके और वे योजना का लाभ उठा सके। उन्होंने मण्डल के सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को प्राथमिक स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में आरबीएसके की टीम के द्वारा निरंतर भ्रमण करते हुए बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने जननी सुरक्षा योजना के तहत प्रसूताओं को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान शत–प्रतिशत सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है।

मण्डलायुक्त ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना की समीक्षा करते हुए जिला आपूर्ति अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि सभी कोटेदार एक बार में ही गोदाम से राशन का उठान अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने कहा कि जो भी कोटेदार एक बार में राशन का उठान न करें, उनकी सूची उपलब्ध करायें। मण्डलायुक्त ने कहा कि जो पंचायत भवन बन कर तैयार हो गये है, वहां पर लेखपालों एवं पंचायत सचिवों के बैठने का दिन निर्धारित कर बोर्ड पर अंकित करें साथ ही यह तय करें वे तय समय पर पंचायत भवन में उपस्थित रहे। पंचायत भवन में शिकायत दर्ज करने के लिए एक रजिस्टर रखें तथा वहां पर आने वाली शिकायतों को उसमें दर्ज करें तथा अधिकारियों को नियमित रूप से अनुश्रवण करते रहने के लिए कहा है। उन्होंने भ्रमण पर जाने वाले अधिकारियों को पंचातय भवनों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को नवनिर्मित नलकूपों में विद्युत कनेक्शन दिए जाने का कार्य प्राथमिकता पर करायें जाने का निर्देश दिया है।

इसी क्रम में कर करेत्तर की समीक्षा करते हुए उन्होंने आबकारी, स्टांप एंड रजिस्ट्रेशन, विद्युत तथा माइनिंग की सितंबर के सापेक्ष अक्टूबर में वसूली कम होने पर सभी संबंधित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की तथा वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। ओवरलोडिंग की शिकायतें अधिक आने पर परिवहन विभाग को शहर के हर एंट्री प्वाइंट पर ओवरलोडिंग चेक करने तथा वाहनों पर लगे हुए नंबर प्लेट पठनीय योग्य हों यह सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रयागराज श्री संजय कुमार खत्री, जिलाधिकारी प्रतापगढ़ डॉ0 नितिन बंसल, जिलाधिकारी कौशाम्बी श्री सुजीत कुमार, जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती श्रुति सहित सभी जनपदों के मुख्य विकास अधिकारीगणों के साथ ही अन्य विभागों के मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला कर्मी के उत्पीड़न से परेशान विद्युत कर्मी कप्तान व एडीजी से लगाई गुहार

प्रयागराज 15 नवम्बर, विद्युत नगरीय निर्माण खण्ड प्रथम में कार्यकारी सहायक के पद पर तैनात जितेंद्र कुमार ने सोमवार को अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन प्रयागराज व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने ही विभाग की महिला कर्मी द्वारा उत्पीड़न का आरोप लगाया है। जितेंद्र कुमार का कहना है कि कार्यालय में तैनात लेखाकार सुश्री मनीषा राजपूत, विभागीय विवाद को लेकर चल रहे विवाद अधिशासी अभियन्ता को कार्यालय अभिलेखों में कटिंग एवं कुमारी मनीषा राजपूत द्वारा पूर्व में इनके भविष्य निधि से अग्रिम हेतु दिये गये प्रार्थना पत्र की कार्यालय प्रतिष्ठा उनके द्वारा 13.10.2022 को आवश्यक संशोधन हेतु वापस से ली गयी थी की मांग करने पर उपलब्ध न कराने के सम्बन्धी सूचनार्थ किये गये पत्राचार दिनांक 4.11.2022 का संज्ञान लेते हुए अधिशाषी अभियन्ता के पत्रांक 325 दिनांक 09.11.2022 को लेखाकार सुश्री मनीषा राजपूत से इस विषय में स्पष्टीकरण मांग लिया तो सुश्री मनीषा राजपूत आग बबूला होकर 10 नवम्बर को प्रार्थी को कार्यालय समय के दौरान एकाएक दरवाजे में धक्का मारते हुए जाति सूचक शब्दो का प्रयोग करते हुए अपमानित किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि सुश्री मनीषा राजपूत एवं उनका मंगतर समेत आधा दर्जन गुण्डों के साथ जान से मारने की नियत से दौड़ा लिया विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हस्तक्षेप से प्रार्थी की जान बची। जितेंद्र ने एडीजी व एसएसपी से गुहार लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

सम्पादकीय

इधर कुआं, उधर खाई

ईडब्लूएस आरक्षण पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इसके बाद कई राज्यों ने आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से अधिक करने की पहल की है और केंद्र से उसमें सहयोग मांगा है। पिछले हफ्ते झारखंड ने अपने यहां आरक्षण की सीमा 77 फीसदी कर दी। इसमें एससी–एसटी, ओबीसी और ईबीसी– यानी एक्स्ट्रीम बैकवर्ड क्लास का हिस्सा 67 फीसदी है, साथ में 10 फीसदी ईडब्लूएस का। हालांकि यह प्रभावी तभी होगा, जब केंद्र सरकार इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करेगी। झारखंड सरकार ने केंद्र से इसकी अनुशंसा की है। ईडब्लूएस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के हफ्ते भर के अंदर कई राज्यों ने आरक्षण बढ़ाने के लिए तेजी से कदम उठाए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी केंद्र से 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को हटाने की मांग की है। रविवार को बिहार में सत्तारूढ़ सात–दलीय महागठबंधन के दो घटकों ने नीतीश कुमार से 23 नवंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में एक कानून लाने के लिए कहा, जिसमें आरक्षण को 50 से बढ़ाकर 77 फीसदी तक किया जा सके। उधर, राजस्थान में भी ओबीसी कोटे को 21 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी करने की मांग उठी है। दरअसल ईडब्लूएस पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले में भले ही आर्थिक आधार पर कमजोर वर्ग को दिए गए 10 फीसदी आरक्षण से पहले से आरक्षित वर्गों को दूर रखा गया, मगर यह बात भी साफ हो गई कि आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को पार भी किया जा सकता है। राजस्थान में गुर्जर, हरियाणा में जाट, गुजरात में पाटीदार और महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग पहले भी उठती रही है और राज्य सरकारें इसके लिए कोशिश भी करती रही हैं। 2019 में ईडब्लूएस आरक्षण को जब संविधान में शामिल किया गया, उसके बाद राजस्थान ने गुर्जर और चार अन्य जातियों को 5 फीसदी आरक्षण दिया तो मध्य प्रदेश ने अपना ओबीसी कोटा 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया। दोनों ही मामलों में कुल आरक्षण 64 से 70 फीसदी तक बढ़ गया। वहीं जिन राज्यों में बीजेपी विपक्ष में है, वहां वह भी 50 फीसदी की सीमा को पार करने के पक्ष में ही दिख रही है, हालांकि उसका कहना है कि इस मामले में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। मगर समस्या यह है कि पहले जब राज्यों की ओर से ऐसे कदम उठाए गए तो अदालत ने उन्हें 50 फीसदी की अधिकतम आरक्षण सीमा का हवाला देते हुए नामंजूर कर दिया। अब अगर राज्य अपने नए कोटा कानूनों पर संवैधानिक संशोधन के लिए केंद्र को झारखंड जैसी ही अनुशंसा देनी शुरू करते हैं, तो सरकार के सामने कठिन स्थिति आ जाएगी। अगर सरकार इससे इंकार करती है तो उसे राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन केंद्र के लिए इन्हें मानना भी आसान नहीं होगा। ऐसे में नौकरियों और शिक्षा में मेरिट की सीटें काफी कम हो जाएंगी।

मुश्किल, पर सही फैसला

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे सभी छह अपराधियों को जेल से रिहा करने का सुप्रीम कोर्ट का आदेश हर लिहाज से एक बड़ा फैसला है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या का यह मामला हर देशवासी की संवेदना से जुड़ा है। ऐसे में स्वाभाविक ही इसके पक्ष–विपक्ष में तीव्र भावनाएं भी पूरे देश में हैं। लेकिन न्याय से जुड़े किसी मामले को सिर्फ भावनाओं के आधार पर नहीं देखा जा सकता। न ही सजा का उद्देश्य अपराधी का उत्पीड़न होता है। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले से देश की न्याय व्यवस्था की परिपक्वता का संदेश गया है। इसमें दो राय नहीं कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या एक ऐसी घटना है, जिसे यह देश कभी भूल नहीं सकता। लेकिन जहां तक इस घटना को अंजाम देने वालों का सवाल है तो देश की न्यायपालिका ने उनके कृत्य के हर पहलू को ध्यान में रखते हुए उन्हें उपयुक्त सजा सुनाई। अपराधियों के लिए बने कानूनों के प्रावधानों के तहत ही बाद में यह बात उठी कि वे सब अपने जीवन का बड़ा हिस्सा जेल में बिता चुके हैं। उनमें से कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। उन सबका जेल में आचरण अच्छा पाया गया है। कई ने जेल में रहते हुए गंभीर अध्ययन किया और उनके काम की बाहर भी तारीफ हुई। इन्हीं आधारों पर तमिलनाडु सरकार ने इन कैदियों की दया याचिका पर पॉजिटिव फैसला करते हुए इन्हें जेल से रिहा करने की सिफारिश की। मगर 2018 में की गई इस सिफारिश पर राज्यपाल ने कोई फैसला नहीं किया। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल मई में एक कैदी के मामले पर सुनवाई करते हुए उसकी रिहाई का आदेश दिया और अब उसी केस को आधार बनाते हुए बाकी सबको भी मुक्त करने का फैसला दिया। निश्चित रूप से इस फैसले का राजनीतिक पक्ष भी है। तमिलनाडु ही नहीं, अन्य राज्यों में भी इस पर पक्ष–विपक्ष में प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कांग्रेस ने अपनी पहली प्रतिक्रिया इस फैसले को गलत और अस्वीकार्य बताया है। लेकिन जहां तक गांधी परिवार की बात है तो प्रियंका गांधी ने जेल में नलिनी से मुलाकात की थी। बाद में उनका बयान आया कि उन्होंने उसे माफ कर दिया है। राहुल गांधी भी कई मौकों पर कह चुके हैं कि उनके मन में इन लोगों के खिलाफ कुछ नहीं है। पिता, पति या ऐसे ही अपने किसी करीबी को खोने का दुख तो आजीवन संग रहता है, लेकिन इसके बावजूद अगर यह परिवार इससे ऊपर उठकर उन लोगों को माफ कर सका है तो यह बड़ी बात है।

अर्थव्यवस्था को देश के आकार के अनुपात में विस्तृत करने की कोशिश

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार अर्थव्यवस्था को देश के आकार के अनुपात में विस्तृत करने की कोशिश कर रही है, पर इसमें कई चुनौतियां हैं, जिनमें से एक जलवायु परिवर्तन भी है। वैश्विक तापमान को कम करने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को विशिष्ट सीमा के भीतर रखने की जरूरत है, जिसे वैश्विक कार्बन बजट कहा जाता है। वैश्विक तापमान को पूर्व–औद्योगिक स्तर के 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की 50 फीसदी संभावना और कार्बन डाई ऑक्साइड के 1,350 गीगाटन के शेष कार्बन बजट में वैश्विक तापमान को दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि तक सीमित करने की 50 फीसदी संभावना के लिए 2020 से दुनिया के पास 500 गीगाटन कार्बन डाई ऑक्साइड के बराबर का शेष कार्बन बजट है।

निम्न कार्बन विकास की दिशा में प्रयास करते हुए हमारी दीर्घकालिक निम्न ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन विकास रणनीति (एलटी–एलईडीएस) सात प्रमुख बदलावों पर निर्भर है। पहला, ऊर्जा क्षेत्र में वृद्धि औद्योगिक विस्तार को सक्षम करने, रोजगार सृजन बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण है। भारत अक्षय ऊर्जा का विस्तार कर रहा है और ग्रिड को मजबूत कर रहा है। यह अन्य निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों की खोज औरध्या समर्थन कर रहा है।

यह जीवाश्म ईंधन संसाधनों के तर्कसंगत उपयोग की ओर बढ़ रहा है। दूसरा, जीडीपी में परिवहन का बड़ा योगदान है। भारत यात्री और माल की गतिशीलता के लिए परिवहन साधनों में आवश्यक विस्तार के संदर्भ में निम्न कार्बन विकल्पों की दिशा में काम कर रहा है। तीसरा, शहरी डिजाइनों में अनुकूलन के उपाय खोजना और उन्हें प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। भारत पर्यावरण व शहरी प्रणालियों में अनुकूलन उपायों को मुख्यधारा में ला रहा है। यह शहरी नियोजन दिशानिर्देशों, नीतियों व उपनियमों में संसाधन दक्षता को बढ़ावा दे रहा है, मौजूदा व भावी इमारतों और शहरी प्रणालियों में जलवायु उत्तरदायी और लचीले भवन डिजाइन, निर्माण व संचालन को बढ़ावा दे रहा है और संसाधन दक्षता, ठोस व तरल कचरा प्रबंधन से कम कार्बन उत्सर्जन वाली नगरपालिका सेवा को बढ़ावा दे रहा है। चौथा, जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने की नीतियों के साथ औद्योगिक विकास प्रमुख उद्देश्य है। इस संदर्भ में निम्न–कार्बन विकल्पों का पता लगाया जा रहा है।

भारत का ध्यान ऊर्जा एवं संसाधन दक्षता में सुधार पर है। पांचवां, कार्बन डाई ऑक्साइड कम करने के लिए नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु–विशिष्ट वित्त और क्षमता निर्माण के जरिये पर्याप्त वैश्विक समर्थन चाहिए। अभी भारत सामाजिक–आर्थिक, आजीविका और पारिस्थितिकी तंत्र में इसका असर कम करने के लिए प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण व योजना का कार्य कर रहा है। छठा, प्राकृतिक संसाधनों की वृद्धि, संसाधन विरासत के संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता इस क्षेत्र की प्रमुख रणनीति है।

इसके तहत वन और उसके पौधे, पशु और माइक्रोबियल आनुवंशिक संसाधनों की समृद्धि के एक नए स्तर तक पहुंचने की प्राथमिकताओं को देखते हुए निम्न–कार्बन विकास के उद्देश्यों को पाने के लिए प्रतिबद्ध है। वैश्विक सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व जलवायु व्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने में भारत सक्रिय

बहाली, संरक्षण और प्रबंधन, वनों के बाहर पेड़ों की बहाली, संरक्षण और प्रबंधन, नर्सरी के उन्नयन सहित राज्य के वन विभागों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना शामिल है। सातवां, गरीबी उन्मूलन, रोजगार व आय में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन के प्रति बढ़ती सहनशीलता व किफायती अंतरराष्ट्रीय जलवायु वित्त आवश्यक है।

भारत वित्तीय जरूरतों का आकलन कर जलवायु विशिष्ट वित्त जुटाकर उसे वितरित कर रहा है। भारत ने पृथ्वी को बचाने की दिशा में अपनी जिम्मेदारी से अधिक दायित्व उठाया है और यह जलवायु कार्रवाई के रहा है, जिसे हमने संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज के क्योटो प्रोटोकॉल और पेरिस समझौते के तहत सामूहिक रूप से स्वीकार किया है। भारत का एलटी–एलईडीएस बताता है कि हम समता और जलवायु न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ खड़े हैं।

जनसंख्या विस्फोट के बीच बढ़ते खाद्य संकट से उबरने के उपाय खोजने होंगे

जनसंख्या बढ़ोतरी और खाद्योत्पादन की चिंता साथ–साथ चलती है। आज 15 नवंबर को जब संयुक्त राष्ट्र की गणना के मुताबिक, दुनिया की जनसंख्या आठ अरब हो रही है, तो माल्थस के बहुचर्चित सिद्धांत की अनुगूंज सुनाई पड़ रही है। जनसंख्या और खाद्योत्पादन के संबंधों का जो दर्शन कभी

माल्थस ने दिया था, वह लगभग सवा 200 वर्ष बाद यथार्थ रूप लेता प्रतीत हो रहा है। एक शताब्दी से अधिक समय तक कठोर आलोचनाओं का दंश और व्यंग्य बाण झेलते माल्थस का सिद्धांत अब दुनिया के सामने सीना ताने खड़ा है।

थॉमस रॉबर्ट माल्थस (1766–1834) कभी अपने देश, इंग्लैंड की जनसंख्या वृद्धि से चिंतित थे। वर्ष 1798 में उन्होंने, श्जनसंख्या का सिद्धांतश विषयक एक निबंधा लिखा। उन्होंने 1803 में अपने निष्कर्षों को फिर से संशोधित किया। माल्थस को पूर्वाभास था कि उस समय इंग्लैंड एक आपदा की ओर बढ़ रहा है और, इसलिए, वह चाहते थे कि शासक उस अत्यंत महत्वपूर्ण समस्या से परिचित हों। माल्थुसियन सिद्धांत है क्या? यह बहुत दिलचस्प है, क्योंकि यह भोजन और बढ़ती मानव आबादी के बीच संबंधों के महत्व को रेखांकित करता है। एक वाक्य में कहें तो यह है रू श्घातीय जनसंख्या वृद्धि और अंकगणितीय खाद्य आपूर्ति वृद्धि का सिद्धांत।श माल्थस के अपने शब्दों में रू श्प्राकृतिक रूप में मानव खाद्य का उत्पादन धीमे अंकगणितीय अनुपात में बढ़ता है और जनसंख्या एक त्वरित ज्यामितीय अनुपात में बढ़ती है, जब तक कि उसे रोका न जाए।श माल्थस की चेतावनी थी कि जनसंख्या में निरंतर वृद्धि उस स्तर पर पहुंच जाएगी, जहां खाद्य आपूर्ति आबादी को पोषित करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। माना जाता है कि मानव आबादी हर 25 साल में दोगुनी हो जाती है।

जनसंख्या की वृद्धि भोजन की अबाध उपलब्धि का ही परिणाम है तथा खाद्य उत्पादन ह्रासमान प्रतिफल के नियम (लॉ ऑफ डिमिनिशिंग रिटर्न) के अधीन है। इन दो पहलुओं के आधार पर माल्थस ने अनुमान लगाया कि मानव आबादी खाद्य आपूर्ति से आगे निकल जाएगी। क्या होगा यदि किसी देश की मानव संख्या खाद्य उत्पादन के स्तर से अधिक हो जाए? माल्थस का तर्क है कि बहुत से लोग भोजन की अनुपलब्धता से मरेंगे। जनसंख्या वृद्धि पर एक ठोस राष्ट्रीय नीति बनाकर तथा उसको कानूनी रूप देकर उसका कठोरता से अनुपालन नहीं किया गया तो, जनसंख्या नियंत्रण का प्राकृतिक रूप उभर कर सामने आएगा, जो बहुत ही भयावह होगा।

माल्थस का मानना था कि जो सकारात्मक या प्राकृतिक नियंत्रण जनसंख्या–खाद्योत्पादन असंतुलन को पुनः संतुलन में ला देंगे, वे हैं अकाल, बीमारी और युद्ध। 19 वीं और 20 वीं सदी में माल्थस के जनसंख्या सिद्धांत की व्यापक रूप से आलोचना की गई। आलोचना का हॉटस्पॉट रहा यूरोप, जहां खाद्योत्पादन की दर जनसंख्या वृद्धि से निरंतर आगे रही। जिन देशों को अर्थशास्त्री बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में श्तीसरी दुनियाश कहकर संबोधित करते रहे, उसके कई देश कृषि की नई तकनीकों के आगमन से खाद्योत्पादन में श्प्रथम दुनियाश के समकक्ष आ गए। भारत उनमें से एक रहा है।

माल्थस की आलोचना इसलिए भी की जाती है कि उन्होंने सामाजिक–आर्थिक विकास के नए क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दिया, जैसे कृषि योग्य भूमि का विस्तार, आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी, परिवहन और संचार के साधन, देशों के बीच खुला व्यापार, आदि जो अकाल और भुखमरी जैसी किसी भी स्थिति से बचने में सहायक होंगे। माल्थुसियन सिद्धांत बढ़ती जन्म दर को जनसंख्या वृद्धि का एकमात्र कारण मानता है। वास्तविकता का दूसरा पक्ष यह है कि घटती मृत्यु दर और लोगों के जीवन काल में वृद्धि भी जनसंख्या के आकार के प्रमुख कारण हैं।

माल्थस ने यह नहीं सोचा था कि चिकित्सा विज्ञान में शानदार उपलब्धियों से घातक बीमारियों का इलाज और नियंत्रण हो सकता है और लोगों के जीवन काल में काफी वृद्धि हो सकती है, जिससे जनसंख्या वृद्धि की तीव्र दर बढ़ सकती है। हालांकि उनका सिद्धांत इंग्लैंड के लिए अपनी वैधता सिद्ध नहीं कर पाया, लेकिन सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों के बदलने के कारण इस पर ध्यान केंद्रित किया गया और इसने लोगों को अपने भविष्य के बारे में पर्याप्त जागरूक किया।

सिद्धांत के मूल तत्व आज भी जीवित हैं। वास्तव में, इस सिद्धांत की एक सार्वभौमिक अपील है। यह सिद्धांत केवल एक जैव–भौतिक इकाई के रूप में दृष्टिगोचर नहीं होता। यह अपने आप में एक घटना है। और, कुल मिलाकर, यह घटना चल रही है, यद्यपि धीमी गति से। एशिया और अफ्रीका के कई देश पहले से ही एक गंभीर वास्तविकता का सामना कर रहे हैं, जिसकी माल्थस ने 18वीं शताब्दी के अंत में भविष्यवाणी की थी। और इस वर्ष तो श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा भारत के कई अन्य पड़ोसी देशों ने माल्थस सिद्धांत के उसकी संपूर्णता में दर्शन कर लिए हैं।

यदि आज की दुनिया में संपूर्ण यूरोप और अधिकांश पश्चिमी देशों को अधिक जनसंख्या और सामाजिक–आर्थिक कष्टों की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है, तो इसका श्रेय भी माल्थस को जाता है। माल्थस ने अपने देश को अति–जनसंख्या के परिणामों के बारे में आगाह किया और पूरे यूरोप और दुनिया के कई देशों ने श्जनसंख्या विस्फोटश की स्थिति से बचने के लिए उचित उपाय करना शुरू कर दिया। निवारक उपाय, विशेष रूप से विभिन्न गर्भ निरोधकों का उपयोग और जन्म नियंत्रण के अन्य विभिन्न उपाय, ट्यूबेक्टोमी, पुरुष नसबंदी, आदि माल्थस सिद्धांत में छिपे हुए तत्व हैं। देर से विवाह, प्रति विवाह कम बच्चे, परिवार नियोजन के लिए प्रोत्साहन और राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से अपनाए गए ऐसे कई उपाय माल्थुसियन सिद्धांत के साथ निहित पूर्वाभास से सीखे गए सबक हैं।

खाद्योत्पादन के मोर्चे पर उपलब्धियों का ढोल पीटने वाले हमारे जैसे देश यदि जनसंख्या के बारूद पर बैठे रहेंगे, तो वह यह न समझें कि वह एक बड़े विस्फोट से बचे रहेंगे। धरती सीमित है, संसाधन सीमित हैं, खाद्यान्न सीमित हैंय लेकिन जनसंख्या की कोई सीमा नहीं। माल्थस का साया हमारे ऊपर पड़ रहा है, मगर हमारी चेतना अब भी कुंद है। वह अपनी कब्र में पड़ा हम पर हंस रहा है, और हम 'आसमान गिरेगा, तो उसको थाम लेंगे' के भ्रम में उसको अनसुना कर रहे हैं।

आफताब शव के टुकड़े करने के लिए करता था विशेष आरी का प्रयोग, फिर मलता था केमिकल

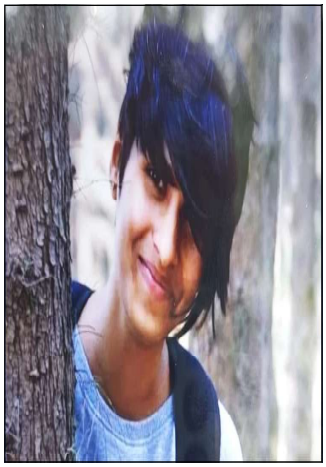

श्रद्धा वाकर हत्याकांड में पुलिस की जांच जैसे–जैसे आगे बढ़ रही है वैसे–वैसे एक के बाद एक सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं, जिसे सुनकर हर कोई सन्न है। श्रद्धा के साथ हुई हैवानियत को सुनकर लोगों के मन में गुस्सा है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, श्रद्धा के शरीर के अंगों को काटने के लिए केवल एक हथियार का इस्तेमाल किया गया था। आफताब ने शरीर के अंगों को काटने के लिए एक छोटी आरी का इस्तेमाल किया था। हालांकि आरी अभी तक बरामद नहीं हुई है। वहीं शव के टुकड़े करने के बाद आरोपी आफताब उनमें बोरिक पाउडर लगाता था। बता दें कि दक्षिण दिल्ली के महरौली से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात में आफताब अमीन पूनावाला (28) ने लिव–इन रिलेशन में रह रही युवती श्रृद्धा वाकर (26) की हत्या कर उसके शव के करीब 35 टुकड़े कर दिए। महरौली पुलिस ने आरोपी आफताब को कोर्ट में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया है, ताकि श्रद्धा वालक के शव के टुकड़ों को ढूंढा जा सके और पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके। पुलिस को सोमवार शाम तक शव के 35 टुकड़ों में से करीब 13 मिल गए हैं।

सभी टुकड़े हड्डियों में रूप में मिल रहे हैं। आरोपी ने बताया कि उसने 18 मई को श्रद्धा की गला दबाकर हत्या की थी। उसके बाद शव के टुकड़े घर के बाथरूम में किए और टुकड़ों को धोकर पॉलिथीन में पैक कर फ्रीज में रख दिया। इसके बाद पिट्ठू बैग में शव के एक टुकड़े को रखता था और जंगल में फेंक कर आता। इस तरह वह करीब 22 दिन शव के टुकड़ों को फेंकता रहा। वह 22 दिनों तक शव के साथ घर में रहा।

हर रात दो बजे वह टुकड़ों को महरौली के जंगलों में फेंकने जाता था। महरौली पुलिस ने करीब छह महीने बाद जब आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है तो उसने ये सनसनीखेज खुलासा किया।

आरोपी युवक का कहना है कि दोनों एक–दूसरे पर संदेह करते थे। उसे शव को ठिकाने लगाने का आइडिया विदेशी क्राइम सीरियल डेक्सटर से आया था।

आफताब पुलिस को ये कहकर गुमराह करता रहा कि झगड़ा होने के बाद श्रद्धा छोड़कर चली गई है। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। आफताब को किसी तरह का पछतावा नहीं है।

दक्षिण जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि श्रद्धा मलाड़, मुंबई में रहती थी और आफताब भी मुंबई का रहने वाला है। दोनों की बंबल डेटिंग एप के जरिए दोस्ती हुई थी। जल्द ही दोनों में प्यार हो गया और मुंबई में सहमति संबंधों में रहने लगे।

कुछ समय बाद ही इनमें झगड़ा हो गया। ये एक–दूसरे पर संदेह करते थे। इस कारण इनमें झगड़ा होता रहता था। इनको लगा कि वह बाहर घूमने जाएंगे तो सब ठीक हो जाएगा। ये हिमाचल प्रदेश घूमने के बाद दिल्ली आ गए।15 मई को इन्होंने छतरपुर, महरौली में किराए पर कमरा लिया। तीसरे दिन ही 18 मई को इनमें झगड़ा हो गया और आफताब ने एक हाथ से श्रद्धा का मुंह दबाया। जब श्रद्धा चिल्लाने लगी तो आरोपी ने दूसरे हाथ से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को बाथरूम में रखा। उसने शव के चापड़ से करीब 35 टुकड़े किए और फिर फ्रीज में रख दिए। वह रात दो बजे फ्रीज से एक शव का एक टुकड़ा निकलता और महरौली के जंगल में फेंक आता।

वहीं, आरोपी आफताब को पता था कि शव को घर में रखने से बदबू आएगी। इस कारण वह घर में हमेशा अगरबत्ती जलाकर रखता था। इसके अलावा उसे रूम फ्रेशनर भी इस्तेमाल करता था। इस तरह उसने करीब 22 दिन में काफी रूम फ्रेशनर खाली कर दिए थे।

आरोपी फ्रिज के साइड वाले गेट पर खाने–पीने का सामान रखता था। जबकि उसके अंदर उसने शव के टुकड़े रखे हुए थे। फ्रिज में कोल्ड ड्रिंक, पानी, बटर, पेप्सी व दूध आदि सामान रखा हुआ था। आरोपी फ्रीज से हर रोज फ्रीज से खाने–पीने का सामान निकालता था। हालांकि वह खाने का सामान ऑनलाइन मंगाता रहा। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आफताब ने पूछताछ में खुलासा किया है कि श्रद्धा के बारे में कोई संदेह न हो, इसके लिए वह दस दिन तक उसका इंस्टाग्राम चलाता रहा। अगर मृतका का कोई दोस्त उसे मैसेज भेजता था तो वह उसका जवाब भी देता था। 10 जून के बाद उसने मृतका का इंस्टाग्राम व मोबाइल बंद कर दिया था। इसके बाद श्रद्धा के दोस्तों को उसकी चिंता सताने लगी थी।14 सितंबर 2022 को श्रद्धा के भाई श्रीजय विकास वालक को उसके एक दोस्त लक्ष्मण नाडर ने फोन कर बताया कि उसका फोन पिछले 2 महीने से बंद आ रहा है। इसके बाद पिता ने 6 अक्टूबर 2022 को वसई के माणिकपुर थाने में उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई।

मैं 25 साल की हो गई हूं, मुझे फैसले लेने का पूरा अधिकार है और आफताब के साथ रहने लगी

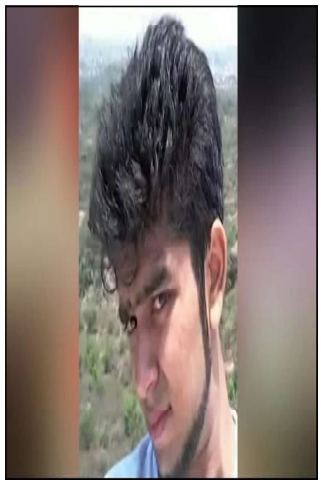

दक्षिण दिल्ली के महरौली में बेरहमी से श्रद्धा वाकर (26) को मौत के घाट उतारने वाला आफताब अमीन पूनावाला (28) दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखता है। इस कारण श्रद्धा के परिजनों ने शादी करने की अनुमति नहीं दी थी। इस कारण दोनों ही मुंबई में सहमति संबंधों में रहने लगे थे। ये भी आरोप है कि आफताब श्रद्धा के साथ मारपीट करता था। उस समय आफताब के साथ रहने को पिता के मना करने पर श्रद्धा ने जवाब दिया था कि मैं 25 साल की हो गई हूं और मुझे अपने जीवन के बारे में फैसले लेने का पूरा अधिकार है। यह कहकर घर से निकल गई थी।

दक्षिण जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आफताब व श्रद्धा ने छतरपुर में 15 मई को किराए पर कमरा लिया था। इसने 18 मई को श्रद्धा की गला दबाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद वह घबरा गया। इसके बाद उसे फॉरेन क्राइम सीरीज डेक्सटर की याद आई। आरोपी बचपन में ये सीरीज देखा करता था। उसने 18 मई को श्रद्धा के शव को बाथरूम में रख दिया। अगले दिन वह बाजार गया और बड़ा वाला फ्रिज, चापड़, पाउडर, फ्रेशनर व अन्य सामान लेकर आया।

बता दें कि दक्षिण दिल्ली के महरौली से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात में आफताब ने लिव–इन रिलेशन में रह रही युवती श्रृद्धा की हत्या कर उसके शव के करीब 35 टुकड़े कर दिए। उसने शव के टुकड़े घर के बाथरूम में किए और टुकड़ों को धोकर पॉलिथीन में पैक कर फ्रीज में रख दिया। वह पिट्ठू बैग में शव एक टुकड़े को रखता था और जंगल में फेंक कर आता। आफताब ने दिल्ली में अलग–अलग जगह पर टुकड़ों को फेंक दिया। महरौली पुलिस ने आरोपी आफताब को कोर्ट में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया है, ताकि श्रद्धा वालक के शव के टुकड़ों को ढूंढा जा सके और पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके। पुलिस को सोमवार शाम तक शव के 35 टुकड़ों में से करीब 13 मिल गए हैं।

श्रद्धा हत्याकांड में नया मोड़

श्रद्धा वाकर (26) की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। श्रद्धा और आरोपी युवक आफताब अमीन पूनावाला (28) मिलकर शराब, सिगरेट का नशा करते थे, पुलिस को ऐसे कई सबूत मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि यह आपस में शादी नहीं करना चाहते थे, इनमें नशा करने के बाद झगड़ा होता था। वारदात वाले दिन भी श्रद्धा ने नशे में बर्तन फेंककर आफताब को मारना शुरू कर दिया था। इससे गुस्साए आफताब ने श्रद्धा की हत्या कर दी। साजिश के तहत आरोपी ने श्रद्धा के शव के टुकड़ों को ठिकाने लगाया। शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपी ने क्राइम पेट्रोल और अंग्रेजी फिल्में देखीं। अगर परिवार वाले आफताब और श्रद्धा को मिली थी। आफजाब अमीन फूड ब्लॉगर है। इंस्टाग्राम पर उसका पर्सनल एकाउंट द हंगरी छोकरों के नाम से हैं। उसका फूड ब्लॉग इंस्टाग्राम पर दा हंगरी एस्कैपेड्स नाम से है। अपने पर्सनल ब्लॉग पर उसने आखिरी फोटो 3 मार्च, 2019 को पोस्ट की थी। अपने फूड ब्लॉग से उसने आखिरी फोटो दो फरवरी को पोस्ट की थी। दस दिन तक श्रद्धा का इंस्टाग्राम चलाता रहा आफताब

दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आफताब ने पूछताछ में खुलासा किया है कि श्रद्धा के बारे में कोई संदेह न हो, इसके लिए वह दस दिन तक उसका इंस्टाग्राम चलाता रहा। अगर मृतका का कोई दोस्त उसे मैसेज भेजता था तो वह उसका जवाब भी देता था। 10 जून के बाद उसने मृतका का इंस्टाग्राम व मोबाइल बंद कर दिया था। इसके बाद श्रद्धा के दोस्तों को उसकी चिंता सताने लगी थी।

फ्रिज में शव के साथ खाने–पीने का सामान भी रखे था आफताब

आरोपी फ्रिज के साइड वाले गेट पर खाने–पीने का सामान रखता था। जबकि उसके अंदर उसने शव के टुकड़े रखे हुए थे। फ्रिज में कोल्ड ड्रिंक, पानी, बटर, पेप्सी व दूध आदि सामान रखा हुआ था। आरोपी फ्रीज से हर रोज फ्रीज से खाने–पीने का सामान निकालता था। हालांकि वह खाने का सामान ऑनलाइन मंगाता रहा।

नशे में थी श्रद्धा, दोनों में हुआ था झगड़ा इस बात पर आफताब ने खोया आपा

दिल्ली के महरौली में लिव–इन रिलेशन में रह रही श्रद्धा वाकर (26) की निर्मम हत्या मामले में वारदात के दिन से जुड़े घटनाक्रम का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। सूत्रों को अनुसार, पुलिस को ऐसे कई सबूत मिले हैं, जिसमें सामने आया है कि श्रद्धा और आरोपी युवक आफताब अमीन पूनावाला (28) मिलकर शराब, सिगरेट का नशा करते थे। जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आपस में शादी नहीं करना चाहते थे, इनमें नशा करने के बाद झगड़ा होता था। वारदात वाले दिन भी श्रद्धा ने नशे में बर्तन फेंककर आफताब को मारना शुरू कर दिया था। इससे गुस्साए आफताब ने श्रद्धा की हत्या कर दी।

साजिश के तहत आरोपी ने श्रद्धा के शव के टुकड़ों को ठिकाने लगाया। शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपी ने क्राइम पेट्रोल और अंग्रेजी फिल्में देखीं। अगर परिवार वाले आफताब और श्रद्धा को वापस लाने की कोशिश करते तो शायद यह हत्याकांड नहीं होता। दोनों ही के परिजनों ने इनको छोड़ दिया था।

बता दें कि दक्षिण दिल्ली के महरौली में आफताब अमीन पूनावाला (28) ने श्रृद्धा वाकर की हत्या कर उसके शव के करीब 35 टुकड़े कर दिए थे। महरौली पुलिस ने आरोपी आफताब को कोर्ट में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया है, ताकि श्रद्धा वाकर के शव के टुकड़ों को ढूंढा जा सके और पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके। पुलिस को सोमवार शाम तक शव के 35 टुकड़ों में से करीब 13 मिल गए हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी युवक आफताब अमीन पूनावाला ने श्रद्धा के शव के टुकड़े चार जगह पर डाले थे। पुलिस को श्मशान घाट रोड नाले के पास कूल्हे का एक पार्ट मिला है, सिर्फ इस पार्ट से पता लग रहा है कि यह इंसान का है और महिला का है। आरोपी ने श्रद्धा के शव को कई टुकड़ों को जलाया था। आरोपी ने श्रद्धा के चेहरे को पूरी तरह से जला दिया था। इसके लिए आरोपी जलाने वाली टॉर्च खरीद कर लाया था। जंगल से हड्डियां रूप में मिल रहे शव के टुकड़ों से यह पता नहीं लग रहा है कि यह इंसान के हैं या जानवर के हैं, इसके लिए पुलिस फॉरेंसिक जांच कराएगी।

पुलिस महरौली थाने के लॉकअप में बंद आफताब पर 24 घंटे नजर बनाए रखी। उसकी सुरक्षा में दो से तीन पुलिसकर्मी लगे रहे जो हर पल उस पर नजर रख रहे थे।

दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, श्रद्धा के शरीर के अंगों को काटने के लिए केवल एक हथियार का इस्तेमाल किया गया था। आफताब ने शरीर के अंगों को काटने के लिए एक मिनी आरी का इस्तेमाल किया था। मिनी आरी अभी तक बरामद नहीं हुई है।

इसके अलावा, आफताब ने श्रद्धा का फोन फेंक दिया, फोन की आखिरी लोकेशन ट्रेस की जा रही है ताकि उसे बरामद किया जा सके। पुलिस श्रद्धा के शव को टुकड़ों में काटने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियार की तलाश कर रही है।

दिल्ली पुलिस आफताब के अन्य साथियों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। आफताब के सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला जा रहा है। उनके पिछले संबंधों का विश्लेषण किया जा रहा है। श्रद्धा के साथ संबंध होने से पहले उसके चार दोस्तों से संपर्क किया जाएगा।

पुलिस ने आफताब के प्रोफाइल की जानकारी बम्बल (डेटिंग एप) से मांगी है जिससे उन महिलाओं का विवरण मिल सके जो आफताब के घर उस समय उससे मिलने आई जब श्रद्धा के शव के टुकड़े फ्रिज में रखे थे। पुलिस को आशंका है कि कहीं इनमें से कोई महिला हत्या के पीछे का कारण तो नहीं है।

वसंत कुंज और आसपास के इलाकों में पानी की सप्लाई बंद, लोगों ने किया प्रदर्शन

साउथ दिल्ली के वसंत कुंज और आसपास के इलाकों में पानी की किल्लत से परेशान लोग अब सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। पानी की पर्याप्त सप्लाई ना होने के कारण लोगों ने खाली बाल्टियां लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया। वसंत कुंज के सेक्टर सी–8 के लोगों ने बताया कि वहां पिछले 6 दिनों से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पानी के टैंकर आते हैं लेकिन बड़ी मशक्कत के बाद पानी नसीब होता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि वहां पिछले 6 दिनों से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। लोग अब पूरी तरह से पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं जो उन्हें बहुत प्रयास के बाद ही मिलते हैं। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप है कि दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से उनके फोन कॉल और ऑनलाइन शिकायतों का कोई जबाव नहीं मिलता। वसंत कुंज के रहने वाले जितेन नेगी ने बताया कि हममें से आधे लोग पानी के टैंकर के लिए दिल्ली जल बोर्ड के पास दौड़ते रहते हैं। और आधे पानी के टैंकरों का इंतजार करते रहते हैं। लेकिन न तो कोई हमसे मिलने आया और न ही हमें कोई आश्वासन मिला।

सपा अध्यक्ष बोले, यह नेताजी का चुनाव

समाजवादी पार्टी नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के नाम और उनके द्वारा किए गए काम को आधार बनाकर जनता से वोट मांग रही है। बार– बार दुहाई दी जा रही है कि यह चुनाव नेताजी का है और नेताजी के लोग लड़ रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान नेताजी से जुड़े लोगों को विशेष तौर पर तवज्जो देने की रणनीति बनाई गई है। इस रणनीति के तहत सहानुभूति की लहर को सियासी पतवार के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। सपा नेताओं का कहना है कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में मुलायम सिंह यादव से जुड़े लोग निरंतर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। नामांकन से पहले उनकी समाधि पर पूजन करने के बाद डिंपल यादव ने भी नेताजी के नाम की ही दुहाई दी। उन्होंने कहा कि नेताजी के सपनों को साकार करने के लिए ही वह चुनाव लड़ रही है। नेताजी के लोग ही उन्हें चुनाव लड़ा रहे हैं। यहां की जनता चाहती है कि नेताजी ने जिस तरह से लोगों को मान सम्मान दिया है वह निरंतर आगे बढ़ता रहे। डिंपल यादव ने भरोसा दिया कि नेताजी ने जिस तरह से यहां के लोगों का मान सम्मान रखा है उसमें किसी तरह की कमी नहीं आने देंगे।पूरा परिवार एक साथ रू अखिलेशनामांकन के दौरान शिवपाल यादव की गैर मौजूदगी के सवाल पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नामांकन बेहद सादगी के साथ हुआ है। उन्होंने दोहराया कि नेताजी के लोगों की इच्छा पर पूरे परिवार की सहमति के आधार पर डिंपल को उम्मीदवार बनाया गया है। इसमें किसी तरह का कोई संदेह अब नहीं रह गया है। उन्होंने शिवपाल का नाम लिए बगैर कहा कि परिवार का हर सदस्य डिंपल के लिए वोट मांगेगा।खुद करेंगे चुनाव प्रचारअभी तक लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव से दूर रहने वाले अखिलेश यादव ने ऐलान किया है कि वह खुद मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के अंदर ही उनकी करहल विधानसभा भी है। ऐसे में वह मैनपुरी में रहकर यहां चुनाव गतिविधियों का संचालन करेंगे। तेज प्रताप के मैदान में उतारने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह परिवार में पहले ही तय हो चुका था कि यहां से कौन लड़ेगा। तेजप्रताप खुद डिंपल के प्रस्तावक हैं।कहा सादगी से करने आए नामांकन डिंपल यादव के नामांकन में आए अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी के निधन के बाद पूरा परिवार गमगीन है। हम इसीलिए सादगी से प्रस्तावकों के साथ नामांकन करने आए हैं। चुनाव प्रचार में पूरा परिवार मौजूद रहेगा और डिंपल यादव के लिए वोट मांगेगा। इस दौरान उन्होंने रामपुर चुनाव को लेकर शासन और प्रशासन पर गलत तरीके से कार्रवाई करने के आरोप लगाए। उन्होंने रामपुर के लोकसभा उप चुनाव में प्रशासन द्वारा मतदाताओं को वोट न डालने देने का मुद्दा भी उठाया। एक–एक वोट से नेताजी को देंगे श्रद्धांजलिअखिलेश यादव ने कहा कि यह चुनाव अलग परिस्थितियों का चुनाव है। नेताजी हमारे बीच नहीं हैं। कार्यकर्ता मतदान वाले दिन एक.एक वोट से नेताजी को श्रद्धांजलि दें। पार्टी प्रत्याशी डिंपल यादव को अभी तक की सबसे बड़ी जीत दिलाएं। पतारा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की मांग पर पतारा क्षेत्र की बनवाई गई सड़क आज भी गुणवत्ता में कम नहीं है। नेताजी शिलान्यास से पहले उद्घाटन की तारीख तय करा लेते थे। मैनपुरी को हमेशा अपनी कर्मभूमि मानकर ही नेताजी ने काम किया। उन्होंने कहा कि पूरे उपचुनाव में नेताओं को मालाएं नहीं पहनाएं। हर कार्यकर्ता अपना चुनाव मानकर चुनाव लड़े। विरोधी दलों के दुष्प्रचार से किसी तरह भ्रमित नहीं हों।सोशल मीडिया करती गुमराहअखिलेश यादव ने कहा कि सोशल मीडिया गुमराह करती है। राजनीति तब अच्छी थी जब सोशल मीडिया नहीं थी। सोशल मीडिया की खबरों से कार्यकर्ता भ्रमित नहीं हों। पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों पर काम करें। चुनाव के दौरान कार्यकर्ता सोशल मीडिया की खबरों को नजरंदाज करें। जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य, विधायक किशनी ब्रजेश कठेरिया, एमएलसी मुकुल यादव, पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव, पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव, पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव आइद मौजूद रहे।डिंपल के पास पौने तीन किलो सोना और 14.24 करोड़ की मालकिन, अखिलेश के पास है 25.155 करोड़ की संपत्ति डिंपल यादव के पास 2774.84 ग्राम सोना, 203 ग्राम मोती और 127.75 कैरेट हीरे भी हैं। नामांकन के वक्त उन्होंने अपनी संपत्ति 14.24 करोड़ बताया है। उपचुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने नामांकन पत्र में अपनी संपत्तियों की जानकारी साझा की है। डिंपल के पास 4 चार 62 लाख 71 हजार की चल संपत्ति और 9 करोड़ 61 लाख 98 हजार रुपये की अचल संपत्ति है। ऐसे में वे कुल 14.24 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं। पति अखिलेश यादव के पास 8.33 करोड़ की चल संपत्ति और 17.22 करोड़ की अचल संपत्ति है। इस प्रकार वे कुल 25.55 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं।अखिलेश यादव के पास डिंपल यादव की तुलना में कई गुना अधिक कृषि भूमि है। वहीं भवनों में डिंपल और अखिलेश बराबर के मालिक हैं। फिर चाहे दिलकुशा एमजी रोड स्थित भवन हो या फिर विक्रमादित्य मार्ग लखनऊ पर बना आवास हो, दोनों में ही डिंपल 50 प्रतिशत की मालिक हैं। नामांकन में दाखिल किए गए शपथ पत्र में डिंपल यादव ने अपनी आय के साधन किराया और खेती बताया है। अखिलेश यादव की आय का साधन वेतन, किराया और खेती है।सपा प्रत्याशी की प्रोफाइलनाम– डिंपल यादव, उम्र 44 साल (सपा)पति– अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्रीशिक्षा– बीकॉम लखनऊ विश्वविद्यालय।राजनीतिक जीवन– कन्नौज से 2012 और 2014 में सांसद चुनी गईं।मुकदमा– नहीं नहीं वाहन– नहीं

सीएम योगी ने 143 करोड़ की धनराशि की हस्तांतरित, आवास के लाभार्थियों को वितरित की चाबी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 426.94 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले 34,500 आवासों के लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में 143 करोड़ की धनराशि बटन दबाकर हस्तांतरित की। वहीं 478.49 करोड़ की लागत से निर्मित 39 हजार आवासों के लाभार्थियों को चाबी वितरित करने के साथ गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने खुद कुछ लाभार्थियों को आवास की चाबी, महिला राज मिस्त्री का सर्टिफिकेट वितरित किए। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम भी मौजूद रहीं। मुसहर, वनटांगिया समेत 54 पिछड़ी जातियों के उत्थान पर दिया जा रहा जोर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा आजादी के 75 वर्ष बाद भी करीब 70 वर्ष तक मुसहर जाति के लोग शासन की सुविधाओं से वंचित रहे, यह देखा मैं काफी आश्चर्यचकित रहा। ऐसे में प्रदेश में वर्ष 2017 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आते हैं इन लोगों को जमीन का पट्टा देने के साथ उन्हे आवास की सुविधा उपलब्ध कराई गई। प्रदेश में 54 ऐसी जाति थीं जिन्हे आजादी के बाद किसी सुविधा का लाभ नहीं मिला, यहां तक कि आजादी के 75 वर्ष बाद बिगत वर्ष पंचायत के चुनाव हुए थे, जिसमें उन्होंने पहली बार अपना ग्राम प्रधान चुना अन्यथा उनको देश के संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार वेटिंग राइट की सुविधा भी नहीं मिल पाई थी। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के पहले मैं उनके इस आंदोलन से जुड़ा हुआ था। मैंने वनाधिकार कानून भी संसद में संशोधित कराकर उन्हे अधिकार दिलाने की बात कही, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इसमें संशोधन होने के बाद भी प्रदेश ने उसे लागू नहीं किया, जिसके कारण 54 से अधिक बस्तियों के लोगों को किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पाया। आज सोनभद्र में ऐसे लोगों को जमीन का पट्टा आवंटित किया जाएगा। आखिर उन्हे यह सुविधाएं पहले क्यों नहीं मिलीं। पहले प्रदेश में मुसहर, थारू, वनटांगिया, कोल, बुंदेलखंड में शहरिया आदि जातियों शासन की सभी योजनाओं से वंचित थीं। मुझे प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री आवास से वंचित उन सभी जातियों को मुख्यमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू करने को पिछली सरकारों ने नहीं भेजे थे प्रस्ताव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब तक एक लाख आठ हजार से अधिक परिवारों को योजनाओं का लाभ दिया गया है। इसके साथ ही दिव्यांग और कुष्ठ रोगियों को इन योजनाओं से जोड़ने का काम हुआ है। वास्तव में इन लोगों को जब योजनाओं का लाभ मिलता है तो योजना यशस्वी होती है। वहीं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत महिला को ही इसका मालिकाना हक दिया जा रहा है। आजादी के 75 वर्ष तक जिन लोगों ने जाति के नाम पर समाज के ताने बाने को छिन्न भिन्न किया और उन्हे योजनाओं के लाभ से वंचित किया, वे सभी आपकी दृष्टि से आपके अपराधी हैं क्योंकि उन्होंने आपको शासन की सुविधाओं से वंचित किया। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को 905 करोड़ रुपये से अधिक की सौगात उपलब्ध कराई जा चुकी है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू किया था। उस समय प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं थी। पिछली राज्य सरकार ने इसे अपने स्तर पर लागू कराने के लिए प्रस्ताव भी नहीं भेजे थे। वे लोग जो जाति के नाम पर समाज को विभाजित करते हैं वास्तव में यह गरीबों के कितने हितौषी हैं यह इन लोगों की इन कार्यगुजारियों से हम समझ सकते हैं जिन लोगों ने इतनी लोकप्रिय योजना को लागू ही नहीं किया था। पिछली सरकारों ने राजनीतिक भेदभाव के चलते योजना के लाभ से एक बड़े तबके को वंचित रखा मुख्यमंत्री योगी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश में विगत साढ़े पांच वर्षों के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में 45 लाख गरीबों को सिर ढकने के लिए एक–एक आवास उपलब्ध कराए गए हैं। इसमें से 27 लाख ग्रामीणों और 17 लाख से अधिक लाभार्थियों को शहरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराया गया है। उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जिसने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत जिन लाभार्थियों के पास आवास बनाने के लिए जमीन नहीं थी उन्हे जमीन उपलब्ध कराई। इतना ही नहीं उन्हे शासन की प्रत्येक योजना का लाभ पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की शुरुआत सोनभद्र में की गई थी। दरअसल, मैं वर्ष 2018 में सोनभद्र में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति देखने गया था। उस दौरान एक वनवासी महिला ने कहा कि उसे भी योजना का लाभ चाहिए। अधिकारियों से पूछने पर पता चला कि वह योजना के लिए पात्र तो हैं, लेकिन सूची में नाम नहीं। सीएम ने कहा कि वर्ष 2011–2022 में एसीसी सर्वे के दौरान केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं थी। यही वजह है कि पिछली सरकार ने राजनीतिक भेदभाव के चलते समाज के एक बड़े तबके को इस योजना से दूर रखा। ऐसे में मुख्यमंत्री आवास योजना की शुरुआत करके योजना से वंचित लोगों को इससे जोड़ा गया। योजना का लाभ देने में चयन की प्रक्रिया में भेदभाव घोटाले कारण बनता है सीएम योगी ने कहा कि योजनाओं का लाभ सामान रूप से समाज के प्रत्येक तबके को मिलना चाहिए जब योजना यशस्वी बनती है। उस यश का कारण शासन और प्रशासन भी बनता है। एक लाभार्थी योजना का लाभ उठाकर उसके सर्वांगीण विकास के मार्ग को आगे बढ़ाता है, लेकिन जब योजना का लाभ अपात्रों को मिलता है, उसमें चयन की प्रक्रिया में भेदभाव होता है तो वह घोटाले कारण बनती है और फिर चयन करने वालों को एक न एक दिन जेल जाना पड़ता है। उन्हे वहां सड़ने के लिए मजबूर भी होना पड़ता है इसलिए पारदर्शी व्यवस्था के तहत प्रदेश में बड़े पैमाने पर एक करोड़ 63 लाख से अधिक परिवारों के लिए शौचालय का निर्माण कराया। चयन की प्रक्रिया से छूटे लोगों के लिए दोबारा से सर्वे कराया गया और उन्हे शौचालय उपलब्ध कराए गए। आवास योजना से जो लोग वंचित थे उन्हे आवास दिलवाया गया और जिनका नाम सूची में नहीं था उनको भी आवास का लाभ दिया गया। सीएम योगी ने कहा कि बेटी के पैदा होने से लेकर उसकी शादी तक का खर्च सरकार उठा रही है। महिलाओं, युवाओं और समाज के हर वर्ग के लिए विभिन्न योजनएं चलाई जा रही हैं, उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वह इन योजनाओं को भरपूर लाभ उठाएं। सीएम योगी ने कहा कि कोरोना काल से पहले प्रदेश के काफी युवा कोचिंग के लिए बाहर जाते थे, आज उनको कोचिंग के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है, वह मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग सुविधा का लाभ उठा रहा है। हाल ही में आए लोकसेवा आयोग के परिणाम में 43 बच्चे ऐसे हैं जिन्होंने कोचिंग का लाभ उठाया और उनका सेलेक्शन हुआ। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री ने सीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित होने वाले 34,500 आवासों के लाभार्थियों को प्रथम किस्त के ऑनलाइन हस्तांतरण किया। उन्होंने 39,000 आवासों के लाभार्थियों को चाबी सौंपी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 426.94 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले 34,500 आवासों के लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में 143 करोड़ की धनराशि बटन दबाकर हस्तांतरित की। वहीं 478.49 करोड़ की लागत से निर्मित 39 हजार आवासों के लाभार्थियों को चाबी वितरित करने के साथ गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने खुद कुछ लाभार्थियों को आवास की चाबी, महिला राज मिस्त्री का सर्टिफिकेट वितरित किए। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम भी मौजूद रहीं। मुसहर, वनटांगिया समेत 54 पिछड़ी जातियों के उत्थान पर दिया जा रहा जोर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा आजादी के 75 वर्ष बाद भी करीब 70 वर्ष तक मुसहर जाति के लोग शासन की सुविधाओं से वंचित रहे, यह देखा मैं काफी आश्चर्यचकित रहा। ऐसे में प्रदेश में वर्ष 2017 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आते हैं इन लोगों को जमीन का पट्टा देने के साथ उन्हे आवास की सुविधा उपलब्ध कराई गई। प्रदेश में 54 ऐसी जाति थीं जिन्हे आजादी के बाद किसी सुविधा का लाभ नहीं मिला, यहां तक कि आजादी के 75 वर्ष बाद बिगत वर्ष पंचायत के चुनाव हुए थे, जिसमें उन्होंने पहली बार अपना ग्राम प्रधान चुना अन्यथा उनको देश के संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार वेटिंग राइट की सुविधा भी नहीं मिल पाई थी। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के पहले मैं उनके इस आंदोलन से जुड़ा हुआ था। मैंने वनाधिकार कानून भी संसद में संशोधित कराकर उन्हे अधिकार दिलाने की बात कही, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इसमें संशोधन होने के बाद भी प्रदेश ने उसे लागू नहीं किया, जिसके कारण 54 से अधिक बस्तियों के लोगों को किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पाया। आज सोनभद्र में ऐसे लोगों को जमीन का पट्टा आवंटित किया जाएगा। आखिर उन्हे यह सुविधाएं पहले क्यों नहीं मिलीं। पहले प्रदेश में मुसहर, थारू, वनटांगिया, कोल, बुंदेलखंड में शहरिया आदि जातियों शासन की सभी योजनाओं से वंचित थीं। मुझे प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री आवास से वंचित उन सभी जातियों को मुख्यमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू करने को पिछली सरकारों ने नहीं भेजे थे प्रस्ताव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब तक एक लाख आठ हजार से अधिक परिवारों को योजनाओं का लाभ दिया गया है। इसके साथ ही दिव्यांग और कुष्ठ रोगियों को इन योजनाओं से जोड़ने का काम हुआ है। वास्तव में इन लोगों को जब योजनाओं का लाभ मिलता है तो योजना यशस्वी होती है। वहीं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत महिला को ही इसका मालिकाना हक दिया जा रहा है। आजादी के 75 वर्ष तक जिन लोगों ने जाति के नाम पर समाज के ताने बाने को छिन्न भिन्न किया और उन्हे योजनाओं के लाभ से वंचित किया, वे सभी आपकी दृष्टि से आपके अपराधी हैं क्योंकि उन्होंने आपको शासन की सुविधाओं से वंचित किया। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को 905 करोड़ रुपये से अधिक की सौगात उपलब्ध कराई जा चुकी है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू किया था। उस समय प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं थी। पिछली राज्य सरकार ने इसे अपने स्तर पर लागू कराने के लिए प्रस्ताव भी नहीं भेजे थे। वे लोग जो जाति के नाम पर समाज को विभाजित करते हैं वास्तव में यह गरीबों के कितने हितौषी हैं यह इन लोगों की इन कार्यगुजारियों से हम समझ सकते हैं जिन लोगों ने इतनी लोकप्रिय योजना को लागू ही नहीं किया था। पिछली सरकारों ने राजनीतिक भेदभाव के चलते योजना के लाभ से एक बड़े तबके को वंचित रखा मुख्यमंत्री योगी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश में विगत साढ़े पांच वर्षों के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में 45 लाख गरीबों को सिर ढकने के लिए एक–एक आवास उपलब्ध कराए गए हैं। इसमें से 27 लाख ग्रामीणों और 17 लाख से अधिक लाभार्थियों को शहरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराया गया है। उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जिसने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत जिन लाभार्थियों के पास आवास बनाने के लिए जमीन नहीं थी उन्हे जमीन उपलब्ध कराई। इतना ही नहीं उन्हे शासन की प्रत्येक योजना का लाभ पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की शुरुआत सोनभद्र में की गई थी। दरअसल, मैं वर्ष 2018 में सोनभद्र में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति देखने गया था। उस दौरान एक वनवासी महिला ने कहा कि उसे भी योजना का लाभ चाहिए। अधिकारियों से पूछने पर पता चला कि वह योजना के लिए पात्र तो हैं, लेकिन सूची में नाम नहीं। सीएम ने कहा कि वर्ष 2011–2022 में एसीसी सर्वे के दौरान केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं थी। यही वजह है कि पिछली सरकार ने राजनीतिक भेदभाव के चलते समाज के एक बड़े तबके को इस योजना से दूर रखा। ऐसे में मुख्यमंत्री आवास योजना की शुरुआत करके योजना से वंचित लोगों को इससे जोड़ा गया। योजना का लाभ देने में चयन की प्रक्रिया में भेदभाव घोटाले कारण बनता है सीएम योगी ने कहा कि योजनाओं का लाभ सामान रूप से समाज के प्रत्येक तबके को मिलना चाहिए जब योजना यशस्वी बनती है। उस यश का कारण शासन और प्रशासन भी बनता है। एक लाभार्थी योजना का लाभ उठाकर उसके सर्वांगीण विकास के मार्ग को आगे बढ़ाता है, लेकिन जब योजना का लाभ अपात्रों को मिलता है, उसमें चयन की प्रक्रिया में भेदभाव होता है तो वह घोटाले कारण बनती है और फिर चयन करने वालों को एक न एक दिन जेल जाना पड़ता है। उन्हे वहां सड़ने के लिए मजबूर भी होना पड़ता है इसलिए पारदर्शी व्यवस्था के तहत प्रदेश में बड़े पैमाने पर एक करोड़ 63 लाख से अधिक परिवारों के लिए शौचालय का निर्माण कराया। चयन की प्रक्रिया से छूटे लोगों के लिए दोबारा से सर्वे कराया गया और उन्हे शौचालय उपलब्ध कराए गए।

आवश्यकता है
झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !
सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता, पीएनबी एटीएम के पास

कर्मचारियों को नौकरी से क्यों निकाल रहीं बड़ी कंपनियां, भारत में इसका क्या असर?

पिछले कुछ महीने में दुनियाभर की कई कंपनियों ने बड़ी संख्या में अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल है। ट्विटर और मेटा के बाद अब अमेजन भी इसकी तैयारी कर रही है। इनके अलावा भी स्नैपचौट, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और एपल जैसी कई कंपनियां छंटनी कर रही हैं।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अलग–अलग कंपनियों ने पिछले दो महीने के अंदर डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी से बाहर किया है। ये सिलसिला अभी भी जारी है। कई बड़े अर्थशास्त्री आशंका व्यक्त कर चुके हैं कि आने वाले समय में इससे भी बुरा दौर देखने को मिल सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अचानक से बड़ी कंपनियां क्यों लोगों को नौकरी से निकालने लगी हैं? भारत में इसका क्या असर पड़ेगा? क्या ये मंदी की आहट है? आइए समझते हैं... पहले जानिए किस कंपनी ने कितने कर्मचारियों को नौकरी से निकाला? ट्विटरएलन मस्क ने जब से माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर का अधिग्रहण किया है, तब से हर रोज मस्क नए एलान कर रहे हैं। ट्विटर से अब तक लगभग 3,700 लोगों को नौकरी से निकाला जा चुका है। आने वाले दिनों में और भी छंटनी हो सकती है। कंपनी ने नई भर्ती पर भी रोक लगा दी है। कंपनी का अधिग्रहण करने के बाद जिन लोगों को सबसे पहले बाहर किया गया उनमें ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल, सीएफओ नेड सेगल और लीगल हेड विजया गाड्डे शामिल थे। मेटा (फेसबुक) सोशल मीडिया साइट फैसबुक (मेटा) ने भी करीब 11 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कई तो ऐसे कर्मचारी थे, जिन्हें जॉइन कराने के अगले ही दिन नौकरी से बाहर कर दिया गया। अलग–अलग रिपोर्ट्स का दावा है कि अभी ये संख्या और भी बढ़ सकती है। करीब 20 हजार कर्मचारियों को फेसबुक नौकरी से निकाल सकता है। मेटा के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक अल्टीमीटर कैपिटल मैनेजमेंट ने पिछले महीने मार्क जुकरबर्ग को एक खुला पत्र लिखा था, जिसमें लोगों से अपने वित्त को ठीक करने के लिए लागत में कटौती करने का आग्रह किया गया था। माइक्रोसॉफ्टतकनीक के मामले में अग्रणी होने के बावजूद माइक्रोसॉफ्ट ने आर्थिक नुकसान कम करने के लिए छंटनी कर रही है। कंपनी ने पिछले महीने लगभग एक हजार कर्मचारियों की छंटनी की है, जो इस साल कंपनी में तीसरे दौर की कटौती थी। नेटफ्लिक्सओटीटी स्ट्रीमिंग कंपनी नेटफ्लिक्स ने भी कर्मचारियों के छंटनी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी ने अब तक करीब 500 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। आने वाले दिनों में ये संख्या और भी बढ़ सकती हैं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचौट ने भी इस साल अगस्त में अपने 20 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। अगर संख्या देखें तो करीब 1,500 कर्मचारियों की नौकरी गई है। कंपनी के सीईओ इवान स्पीगल ने एक इंटरनल मेल में कहा था कि श्किसी भी स्थिति में स्नैप के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नौकरी में कटौती करनी पड़ रही है।अमेजनअमेजन ने भी बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर ली है। न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी बहुत जल्द 10,000 कर्मचारियों को निकाल सकती है। इसके साथ ही कंपनी ने नई भर्ती पर भी रोक लगा दी है। अगर छंटनी की कुल संख्या 10,000 के आसपास रहती है, तो यह अमेजन के इतिहास में सबसे बड़ी छंटनी होगी। हालांकि यह कंपनी के कार्यबल के एक प्रतिशत से भी कम है, क्योंकि अमेजन विश्व स्तर पर 16 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है।इन बड़ी कंपनियों में भी हुई छंटनीहार्ड ड्राइव बनाने वाली कंपनी सी–गेट टेक्नोलॉजी ने पिछले महीने बताया था कि आठ फीसदी कर्मचारियों की छंटने करने की तैयारी है। धीरे–धीरे इसपर काम भी शुरू किया जा चुका है। कंपनी करीब तीन हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। इसी तरह इंटेल ने अगले साल तक करीब 18 हजार करोड़ रुपये बचत करने की प्लानिंग की है। इसके लिए बड़ी संख्या में छंटनी की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, करीब 20 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा सकता है। अमेरिकन कंपनी क्वॉइनबेस ने अपने 18 फीसदी स्टाफ को निकाल दिया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो छंटनी के चलते करीब 1,100 कर्मचारियों की नौकरी गई है। कंपनी का कहना है कि मंदी की आशंका को देखते हुए कॉस्ट कटिंग करना जरूरी हो गया था। ई–कॉमर्स कंपनी शॉपिफाई ने भी 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी का एलान किया है। इसके चलते एक हजार से ज्यादा कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है। इसके अलावा लिफ्ट, स्ट्राइप, ओपनडोर समेत कई कंपनियों ने 30 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इसके साथ ही एपल और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियां भी खर्चे घटाने के लिए अलग–अलग उपायों पर काम कर रही हैं। हालांकि, दोनों ने अब तक किसी तरह की छंटनी का एलान नहीं किया गया है। नई भर्तियों पर भी लगाई रोककई कंपनियों ने नई भर्ती प्रक्रिया पर भी रोक लगा दी है। इसमें भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। देश की 10 बड़ी आईटी कंपनियों में से पांच के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आईटी कंपनियों की कुल लागत में 55 से 65 फीसदी हिस्सेदारी कर्मचारियों पर आने वाले खर्च की होती है। यही कारण है कि कंपनियों ने भर्ती प्रक्रिया सुस्त कर दी है। विप्रो के कर्मचारियों की संख्या 6.5 फीसदी घटी है। एलएंडटी ने पांच फीसदी और टेक महिंद्रा ने 1.4 फीसदी हेडकाउंट घटा दिया। कॉस्ट कटिंग के नाम पर कंपनियां कई अन्य तरह के उपाय भी अपना रहीं हैं। कंपनियों ने एजेंसियों के जरिए जो हायरिंग की थी, उन्हें भी बंद कर दी है। इसके अलावा थर्ड पार्टी सुविधा लेने का काम भी काफी कम कर दिया है। क्या मंदी का दौर आ चुका है? महंगाई और कंपनियों से छंटनी की प्रक्रिया पर सीएनएन को अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस ने एक इंटरव्यू दिया है। उन्होंने कहा, श्मौजूदा समय अर्थव्यवस्था की स्थिति काफी खराब है। आर्थिक गतिविधियों में रुकावट शुरू हो चुकी है। आप कई सेक्टर में छंटनी की प्रक्रिया तेज होते हुए देख सकते हैं। ऐसे में अगर अभी मंदी का दौर नहीं है, तो जल्द ही हम उस दौर में पहुंच जाएंगे।इसी तरह कई अन्य आर्थिक मामलों के जानकार और कंपनियों के मालिक मंदी की आशंका जता चुके हैं। ब्रोकरेज फर्म नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले सालभर के अंदर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों को मंदी का सबसे बुरा दौर देखने को मिल सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर टेक कंपनियों पर ही पड़ेगा। 5–6 महीने टेक कंपनियों के लिए काफी बुरे साबित होंगे। जुलाई में विश्व बैंक का भी एक बयान आया था। कहा गया था कि इस साल के अंत तक दुनिया की आर्थिक प्रगति कम होने की आशंका है। इसलिए ज्यादातर देशों को आर्थिक मंदी की तैयारी कर लेनी चाहिए। पूरी दुनिया ज्यादा महंगाई और कम विकास दर से जूझ रही है, जिसकी वजह से 1970 के दशक जैसी मंदी आ सकती है। दुनियाभर में इसका असर दिखने भी लगा है। भारत में इसका क्या असर पड़ेगा?हमने इसे समझने के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. प्रहलाद से बात की। उन्होंने कहा, श्दुनियाभर के आर्थिक गतिविधियों में गिरावट और रुकावट आई है। इसलिए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि मंदी की आहट आने लगी है।अर्थशास्त्री प्रो. प्रदीप माहेश्वरी कहते हैं, श्कोरोना और फिर रूस–यूक्रेन युद्ध के चलते पूरी दुनिया की आर्थिक गतिविधि पर असर पड़ा है। इसका नतीजा महंगाई और बड़ी कंपनियों की ओर से छंटनी की प्रक्रिया के रूप में देखने को मिल रहा है। मंदी के इस दौर का सबसे बुरा असर अमेरिका, यूरोप में ही देखने को मिलेगा। ब्रिटेन जैसे देश भी इसकी चपेट में आएंगे। हालांकि, भारत को बहुत ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। यहां इसका कम ही असर देखने को मिलेगा।प्रो. माहेश्वरी के अनुसार, श्आईएमएफ ने वित्तीय वर्ष 2023 के लिए अनुमान लगाया है कि भारत की जीडीपी 6.1 फीसदी रहेगी। चीन, अमेरिका जैसे अन्य देशों की तुलना में ये काफी अधिक है। मंदी के खतरे के बीच ये आंकड़े भारत को राहत देने वाले हैं।अब मंदी को भी समझ लेते हैंइसे प्रो. प्रहलाद ने समझाया। उन्होंने कहा, श्जब किसी भी देश के जीडीपी में लगातार छह महीने यानी दो तिमाही तक गिरावट आती है तो इसे अर्थशास्त्र में आर्थिक मंदी कहा जाता है। वहीं, अगर लगातार दो तिमाही के दौरान किसी देश की जीडीपी में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आती है तो उसे डिप्रेशन कहा जाता है। जो काफी भयावह होता है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद 1930 में इस तरह का डिप्रेशन देखने को मिला था।प्रो. प्रहलाद आगे कहते हैं, श्जब अर्थव्यवस्था में लगातार कुछ समय तक विकास थम जाता है, रोजगार कम हो जाता है, महंगाई बढ़ने लगती है और लोगों की आमदनी घटने लगती है तो इसे आर्थिक मंदी कहा जाता है। पूरी दुनिया में चार बार आर्थिक मंदी आ चुकी है। पहली बार 1975 में, दूसरी बार 1982 में, तीसरी बार 1991 में और चौथी बार 2008 में आर्थिक मंदी आई थी। अब एक बार फिर से इसकी आशंका जताई जा रही है।पिछले कुछ महीने में दुनियाभर की कई कंपनियों ने बड़ी संख्या में अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल है। ट्विटर और मेटा के बाद अब अमेजन भी इसकी तैयारी कर रही है। इनके अलावा भी स्नैपचौट, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और एपल जैसी कई कंपनियां छंटनी कर रही हैं।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अलग–अलग कंपनियों ने पिछले दो महीने के अंदर डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी से बाहर किया है। ये सिलसिला अभी भी जारी है। कई बड़े अर्थशास्त्री आशंका व्यक्त कर चुके हैं कि आने वाले समय में इससे भी बुरा दौर देखने को मिल सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अचानक से बड़ी कंपनियां क्यों लोगों को नौकरी से निकालने लगी हैं? भारत में इसका क्या असर पड़ेगा।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

चेन्नई ने जडेजा को रिटेन किया, ैभ् से विलियम्सन बाहर, जानें किसके पास कितने पैसे बचे

पिछले बार के उपविजेता राजस्थान रॉयल्स ने नौ खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें अनुनय सिंह, कॉर्बिन बॉश, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, करुण नायर, नाथन कुल्टर–नाइल, रासी वान डर डुसेन, शुभम गढ़वाल, तेजस बरोका शामिल हैं। मौजूदा टीमरू संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शिमरोन हेटमायर, देवदत्त पडिक्कल, जोस बटलर, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, प्रसिद्ध कृष्णा, ट्रेंट बोल्ट, ओबेड मैकॉय, नवदीप सैनी, कुलदीप सेन, कुलदीप यादव, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, केसी करियप्पा।

दिल्ली कैपिटल्स ने पांच खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें से एक शार्दुल को ट्रेड किया गया है और वह कोलकाता नाइट राइडर्स में गए हैं। रिलीज किए गए खिलाड़ियों में शार्दुल ठाकुर, टिम सीफर्ट, अश्विन हेब्बर, श्रीकर भरत, मनदीप सिंह शामिल हैं।

मौजूदा टीमरू ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वार्नर, पृथ्वी शॉ, रिपल पटेल, रोवमैन पॉवेल, सरफराज खान, यश ढुल, मिशेल मार्श, ललित यादव, अक्षर पटेल, एनरिक नॉर्टजे, चेतन सकारिया, कमलेश नागरकोटी, खलील अहमद, लुंगी एनगिडी मुस्तफिजुर रहमान, अमन खान, कुलदीप यादव, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्तवाल

मौजूदा टीमरू फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, सुयश प्रभुदेसाई, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, अनुज रावत, फिन एलन, ग्लेन मैक्सवेल, वनिन्दु हसरंगा, शाहबाज अहमद, हर्षल पटेल, डेविड विली, कर्ण शर्मा, महिपाल लोमरोर, मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड, सिद्धार्थ कौल, आकाश दीप।

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने सात खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें एंड्रयू टाय, अंकित राजपूत, दुशमंथा चमीरा, एविन लुईस, जेसन होल्डर, मनीष पांडे, शाहबाज नदीम शामिल हैं।

मौजूदा टीमरू केएल राहुल (कप्तान), आयुष बदोनी, करण शर्मा, मनन वोहरा, क्विंटन डिकॉक, मार्कस स्टोइनिस, कृष्णप्पा गौतम, दीपक हुड्डा, काइल मेयर्स, क्रुणाल पांड्या, आवेश खान, मोहसिन खान, मार्क वुड, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

आईपीएल चौंपियंस गुजरात टाइटंस ने छह खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें रहमानुल्लाह गुरबाज, लॉकी फर्ग्यूसन, डोमिनिक ड्रेक्स, गुरकीरत सिंह, जेसन रॉय, वरुण एरॉन शामिल हैं।

मौजूदा टीमरू हार्दिक पांड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साई सुदर्शन, ऋद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नालकंडे, जयंत यादव, आर साई किशोर, नूर अहमद।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने 16 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। वहीं, टीम ने तीन खिलाड़ियों को ट्रेड विंडो के जरिये टीम में शामिल किया है। इनमें लोकी फर्ग्यूसन, रहमनुल्लाह गुरबाज और शार्दुल ठाकुर शामिल हैं। वहीं, रिलीज किए गए खिलाड़ियों में पैट कमिंस, सैम बिलिंग्स, अमन खान, शिवम मावी, मोहम्मद नबी, चमिका करुणारत्ने, एरोन फिंच, एलेक्स हेल्स, अभिजीत तोमर, अजिंक्य रहाणे, अशोक शर्मा, बाबा इंद्रजीत, प्रथम सिंह, रमेश कुमार, रसिख सलाम, शेल्डन जैक्सन शामिल हैं।

मौजूदा टीमरू श्रेयस अय्यर (कप्तान), नीतीश राणा, रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, शार्दुल ठाकुर, लोकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, रिंकू सिंह। ट्रेड के माध्यम से प्राप्त खिलाडीरू शार्दुल ठाकुर, रहमानुल्लाह गुरबाज, लोकी फर्ग्यूसन।

पंजाब ने नौ खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें पिछले साल कप्तान रहे मयंक अग्रवाल, ओडियन स्मिथ, वैभव अरोड़ा, बेनी हॉवेल, ईशान पोरेल, अंश पटेल, प्रेरक मांकड़, संदीप शर्मा, ऋतिक चटर्जी शामिल हैं। इस साल शिखर धवन पंजाब किंग्स की कप्तानी करते दिखेंगे। पंजाब ने ट्रेवर बेलिस को अपना नया कोच नियुक्त किया है।

मौजूदा टीमरू शिखर धवन (कप्तान), शाहरुख खान, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे, जितेश शर्मा, राज बावा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताएडे, अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, नाथन एलिस, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, हरप्रीत बराड़।

चेन्नई ने आठ खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें ड्वेन ब्रावो, रॉबिन उथप्पा (संन्यास), एडम मिल्ने, हरि निशांत, क्रिस जॉर्डन, भगत वर्मा, केएम आसिफ, नारायण जगदीशन शामिल हैं। जडेजा रिटेन हुए हैं और एक बार फिर चेन्नई की जर्सी में दिखेंगे। उन्होंने तमाम कयासों को रद्द किया, जिसमें कहा जा रहा था कि जडेजा चेन्नई को छोड़ सकते हैं।

मौजूदा टीमरू एमएस धोनी (कप्तान), डेवोन कॉन्वे, ऋतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडू, सुभ्रांशु सेनापति, मोईन अली, शिवम दूबे, राजवर्धन हेंगरगेकर, ड्वाइन प्रीटोरियस, मिशेल सेंटनर, रवींद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पथिराना, सिमर देशपांडे, दीपक चाहर, प्रशांत सोलंकी, महेश तीक्ष्णा।

सनराइजर्स हैदराबाद ने 12 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें कप्तान केन विलियम्सन और निकोलस पूरन शामिल हैं। हैदराबाद द्वारा रिलीज किए गए खिलाड़ीः केन विलियम्सन, निकोलस पूरन, जगदीश सुचित, प्रियम गर्ग, रविकुमार समर्थ, रोमारियो शेफर्ड, सौरभ दुबे, सीन एबॉट, शशांक सिंह, श्रेयस गोपाल, सुशांत मिश्रा, विष्णु विनोद शामिल हैं।

मौजूदा टीमरू अब्दुल समद, एडेन मार्करम, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को जानसन, वाशिंगटन सुंदर, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक।

मुंबई इंडियंस ने पांच विदेशी खिलाड़ी समेत 13 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें अनमोलप्रीत सिंहस, आर्यन जुयल, बसिल थंपी, डेनियल सैम्स, फैबियन एलेन, जयदेव उनादकट, कीरोन पोलार्ड, मयंक मार्कंडेय, मुरुगन अश्विन, राहुल बुद्धी, राइली मेरिडिथ, संजय यादव और टायमल मिल्स शामिल हैं। उनके पर्स में 20.55 करोड़ की राशि बची है और नौ स्लोट खाली हैं।

मौजूदा टीम (रिटेन किए गए खिलाड़ी)रू रोहित शर्मा (कप्तान), टिम डेविड, रमनदीप सिंह, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, इशान किशन, ट्रिस्टन स्टब्स, देवल्ड ब्रेविस, जोफ्रा आर्चर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अरशद खान, कुमार कार्तिकेय, ऋतिक शौकीन, जेसन बेहरेनडोर्फ, आकाश मधवाल।

पंजाब किंग्स ने टीम के पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल को रिलीज कर दिया है। वहीं, पिछले सीजन फ्लॉप रहे शाहरुख खान को टीम में रखा गया है। मयंक और शाहरुख के टीम से बाहर जाने के कयास पहले ही लगाए जा रहे थे, लेकिन टीम ने शाहरुख खान को अपने साथ बनाए रखने का फैसला किया है। पंजाब ने जॉनी बेयरस्टो को भी अपने साथ जोड़े रखा है। पंजाब ने ओडियन स्मिथ, संदीप शर्मा, बेनी हॉवेल और वैभव अरोड़ा को रिलीज कर दिया है।

राजस्थान रॉयल्स ने दक्षिण अफ्रीका के रासी वान डर डुसेन और न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल को रिलीज कर दिया है। लखनऊ की टीम ने मार्कस स्टोइनिस को अपने साथ जोड़े रखने का फैसला किया है, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने कप्तान केन विलियम्सन और निकोलस पूरन को रिलीज कर दिया है। हालांकि, अब तक आधिकारिक रूप से इन बातों की पुष्टि नहीं हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोलकाता की टीम ने शिवम मावी और एरोन फिंच को रिलीज कर दिया है। वहीं, देवदत्त पडीक्कल को टीम के साथ बनाए रखा है। पिछले साल चौंपियन बनने वाली गुजरात की टीम ने ओपनर जेसन रॉय को रिलीज कर दिया है। वह पिछले सीजन में भी चोट की वजह से नहीं खेल पाए थे। वहीं, आरसीबी की टीम ने कप्तान फाफ डुप्लेसिस, वनिंदु हसरंगा और ग्लेन मैक्सवेल को रिटेन कर लिया है। इसके अलावा अधिकतर भारतीय खिलाड़ियों को भी इस टीम ने रिटेन किया है। शेरफेन रदरफोर्ड को रिलीज कर दिया गया है।

चेन्नई सुपर किंग्स की टीम इस सीजन वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो, अंबाती रायुडू और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस जॉर्डन को रिलीज कर सकती है। ब्रावो पिछले काफी सालों से चेन्नई के अभिन्न अंग रहे हैं। उन्हें मेगा ऑक्शन में सीएसके ने 4.40 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके अलावा चेन्नई ने मेगा ऑक्शन में अंबाती रायुडू को सीएसके ने 6.75 करोड़ और जॉर्डन को 3.60 करोड़ रुपये में खरीदा था। तमाम अटकलों के बाद चेन्नई सुपर किंग्स रवींद्र जडेजा को रिटेन करने को तैयार है। जडेजा को पिछले साल सीएसके ने 16 करोड़ में रिटेन किया था। उन्हें टीम का कप्तान भी बनाया गया था। हालांकि, उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। ऐसे में बीच सीजन जडेजा को हटाकर फिर से धोनी को कप्तान बनाया गया।

आलिया की वजह से बदली र०की और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज डेट, जानें पूरा माजरा

बॉलीवुड के मशहूर निर्माता–निर्देशक करण जौहर अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चाओं में बने रहते हैं। कभी पर्सनल, तो कभी प्रोफेशनल लाइफ की वजह से सुर्खियां बटोरने वाले करण जौहर इन दिनों निर्देशन की दुनिया में वापसी करने के लिए लाइमलाइट में बने हुए हैं। दरअसल, काफी अरसे बाद करण जौहर अपनी आगामी फिल्म श्रॉकी और रानीश में निर्देशन की कमान संभालते नजर आएंगे। करण जौहर ने हाल ही में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया है। ऐसा होने के बाद लोगों के दिलों में एक प्रश्न जरूर उठा था कि आखिर करण ने ऐसा क्यों किया? इसका खुलासा भी हो गया है। चलिए जानते हैं कि आखिर करण जौहर ने इसकी रिलीज डेट में बदलाव क्यों किया।

फिल्म श्रॉकी और रानी की प्रेम कहानीश इन दिनों काफी चर्चाओं में है। दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर की यह फिल्म फरवरी 2023 को रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब करण जौहर ने इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है और इसे अप्रैल 2023 में रिलीज करने का फैसला किया है। निर्माता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए अपने फैंस को इसकी सूचना दी और लिखा कि सात वर्षों के बाद अपने घर यानी की सिनेमाघर में लौटने का समय आ गया है।

पहले फरवरी में रिलीज होने जा रही श्रॉकी और रानी की प्रेम कहानीश की रिलीज डेट को आगे बढ़ाकर 28 अप्रैल 2023 कर दिया है। आपको बता दें, करण ने यह फैसला अपनी मुंह बोली बेटी यानी आलिया भट्ट की वजह से लिया है। इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह मुख्य किरदार में हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। लेकिन अभी भी इस फिल्म का एक रोमांटिक गाना शूट नहीं किया गया है क्योंकि आलिया भट्ट मैटरनिटी लीव पर थीं। करण उस गाने को फिल्म का अहम हिस्सा मानते हैं, इसलिए उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट को टालने का फैसला लिया है।

इन रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि श्रॉकी और रानी की प्रेम कहानीश के इस रोमांटिक कहानी गाने की शूटिंग यूरोप में की जाएगी। आलिया जैसे ही शूटिंग पर वापस आएंगी इस गाने को फिल्माया जाएगा। इस फिल्म में एक बार फिर आलिया और रणवीर सिंह की जोड़ी बड़े पर्दे पर कमाल दिखाती नजर आएगी। इससे पहले दोनों श्गली बॉयश में रोमांस करते दिखाई दिए थे।

मां–बाप ने कुछ नहीं सिखाया क्या किचन ड्यूटी को लेकर अर्चना और प्रियंका में हुआ घमासान

बिग बॉस 16श जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे शो में कंटेस्टेंट्स के बीच लड़ाई झगड़ा भी जमकर हो रहा है। शो अब इस स्टेज पर पहुंच गया है जहां दोस्त भी लड़ जाते हैं। श्बिग बॉसश के घर में अर्चना गौतम की एंट्री हो चुकी हैं और अर्चना के आने से सबसे ज्यादा खुश प्रियंका चौधरी हुई थीं। लेकिन अब दोनों के बीच भयंकर लड़ाई होती हुई दिखी हैं। सोशल मीडिया पर मेकर्स ने श्बिग बॉसश के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो शेयर किया है, जिसमें दोनों ही किचन एरिया में लड़ती हुई नजर आ रही हैं।

सामने आए प्रोमो में देखा जा सकता है कि अर्चना और प्रियंका किचन के काम की वजह से झगड़ती नजर आ रही हैं। अर्चना प्रियंका से कहती हैं कि तू सिर्फ एक गोभी और आलू काट रही है।श इसके आगे अर्चना प्रियंका से कहती हैं, श्आज मैं तेरे साथ रोटी बनाने में मदद करती हूं। लेकिन बदले में तू पूरा किचन रैक साफ करेगी।श लेकिन प्रियंका इस काम के लिए साफ मना कर देती हैं और कहती हैं, श मैं किसी के बोलने पर कुछ नहीं करूंगी।श इस बात से अर्चना प्रियंका पर चिढ़ जाती हैं।

इतना ही नहीं, अर्चना गौतम और प्रियंका चौधरी की तू–तू, मैं–मैं इस हद तक पहुंच जाती है कि दोनों एक–दूसरे के मां–बाप को बीच में ले आते हैं। अर्चना प्रियंका से कहती हैं कि खाना बना कर वह बिग बॉस पर अहसान नहीं कर रही हैं और क्या उनके मां बाप ने उन्हें खाना बनाना नहीं सिखाया है। इतना सुनते ही प्रियंका अपना आपा खो देती हैं और अर्चना से कहती हैं कि उनके मां बाप पर जाने की जरूरत नहीं है। दोनों का लड़ाई का यह प्रोमो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दर्शक हैरान हैं कि जो दोनों बीते दिन तक एक साथ खड़ी हो रही थीं अब वही शो में लड़ती नजर आ रही हैं।

बता दें कि इस हफ्ते साजिद खान घर के नए कैप्टन बने हैं और कैप्टन बनने के साथ ही वह घर के नए राजा भी घोषित हो गए हैं। घर में नया रूल आया है, जिसके हिसाब से ही साजिद खान ने प्रियंका, अर्चना और सौंदर्या को रूम ऑफ 6 में डाल दिया। अब इन तीनों पर ही नॉमिनेशन की तलवार लटक रही है।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभाष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा